E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वर्ष -12 अंक -84 | प्रयागराज, शनिवार 06 जून, 2026 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

अमेरिका का मोदी पर दबाव डालना बेकार,भारत महान देश और हमारा भरोसेमंद सहयोगी,यूएस से नजदीकी का हमारी पार्टनरशिप पर असर नहीं-पुतिन

मॉस्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा है कि अमेरिका भारत पर रूस के साथ उसके रिश्ते सहित कई मुद्दों पर दबाव बनाने की कोशिश कर रहा है, लेकिन इस तरह की कोशिशें बेकार हैं। भारत इसका विरोध करेगा। पुतिन ने पीटीआई समेत दुनिया की प्रमुख न्यूज एजेंसियों के हेड से बातचीत के दौरान भारत और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ भी की। उन्होंने कहा- भारत एक महान देश और लोकतंत्र है। रूस उसे अपना भरोसेमंद पार्टनर मानता है। रूसी राष्ट्रपति ने आगे कहा- भारत अपने राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता देता है। अमेरिका से उसके बढ़ते संबंधों से भारत-रूस की पार्टनरशिप पर कोई असर नहीं पड़ेगा। रूस के साथ उसके रिश्ते पहले की तरह मजबूत रहेंगे। पुतिन ने कहा- हमें खुशी है कि भारत उन सभी देशों के साथ संबंध बढ़ा रहा है, जिन्हें वह अपने राष्ट्रीय हितों के लिए जरूरी मानता है। पुतिन ने भरोसा जताया कि आने वाले सालों में भारत और रूस के बीच व्यापार 100 अरब डॉलर तक पहुंच जाएगा।उन्होंने कहा- भारत दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है और सबसे तेज विकास दर वाले देशों

में गिना जाता है। यह उपलब्धि अचानक नहीं मिली, बल्कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में सरकार की लगातार मेहनत और नीतियों का परिणाम है। रूसी राष्ट्रपति ने कहा कि कुछ पश्चिमी देशों ने भारत पर रूस के साथ सहयोग कम करने का दबाव बनाने की कोशिश की थी। हालांकि, अब सभी को समझ आ गया है कि प्रधानमंत्री मोदी और भारत पर दबाव डालना अंतरराष्ट्रीय संबंधों के लिए नुकसानदायक साबित होगा। पुतिन का बयान भारत दौरे से पहले आया है। वे पुतिन 12 और 13 सितंबर को नई दिल्ली में होने वाली ब्रिक्स समिट में हिस्सा लेंगे। भारत इस साल ब्रिक्स की अध्यक्षता कर रहा है। एक साल के भीतर पुतिन का यह दूसरा भारत दौरा होगा। पीएम मोदी भी इसी साल रूस दौरे पर जाएंगे। रूसी राष्ट्रपति 23वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए 4 दिसंबर 2025 में भारत आए थे। यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद यह पुतिन का पहला भारत दौरा था। इससे पहले वह आखिरी बार 2021 में भारत आए थे। भारत-रूस के बीच दिसंबर 2025 में हुए अहम समझौते- ऊर्जा सहयोगः रूस ने भरोसा दिलाया कि वह भारत की बढ़ती अर्थव्यवस्था के लिए लगातार और बिना रुकावट ईंधन की सप्लाई करता रहेगा। औद्योगिक साझेदारीः भारतीय कंपनियों ने रूस की URALCHEM के साथ एक यूरिया प्लांट रूस में ही स्थापित करने का समझौता किया। फूड सेफ्टीः भारत की FSSAI और रूस की उपभोक्ता सुरक्षा एजेंसी के बीच खाद्य सुरक्षा नियमों को मजबूत करने के लिए औपचारिक समझौते हुए। हेल्थकेयरः सहयोगः मेडिकल रिसर्च और हेल्थ सर्विस में सहयोग बढ़ाने के लिए कई एमओयू साइन किए गए। समुद्री लॉजिस्टिक्सः बंदरगाह और शिपिंग ऑपरेशन में भारत-रूस के सहयोग को बढ़ाने के लिए एक एमओयू पर हस्ताक्षर हुए। माइग्रेशन और मोबिलिटीः दोनों देशों ने लोगों की आवाजाही को आसान बनाने और माइग्रेशन प्रक्रियाओं को सरल करने के लिए समझौते किए।

ट्रम्प बोले- पीएम मोदी मेरे अच्छे दोस्त, भारत के साथ जल्द ट्रेड डील होगा

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि अमेरिका और भारत के बीच

जल्द ही एक बड़ा व्यापार समझौता हो सकता है। व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मेरे बहुत अच्छे दोस्त हैं। हमारे संबंध अच्छे हैं और हम एक-दूसरे को अच्छी तरह समझते हैं।

हालांकि, ट्रम्प ने यह भी कहा कि भारत ने कई सालों तक अमेरिका का फायदा उठाया। उन्होंने कहा- भारत अमेरिका पर बहुत ज्यादा टैरिफ लगाता था, जबकि अमेरिका को उससे ज्यादा फायदा नहीं मिलता था। ट्रम्प ने दावा किया कि अब स्थिति बदल गई है और अमेरिका भारत के साथ व्यापार से अच्छा पैसा कमा रहा है। उन्होंने कहा- हमें एक समझौते तक पहुंचना है क्योंकि मैं इस मोदी को बहुत पसंद करता हूं। ट्रम्प के बयान के बीच अमेरिका ने भारत सहित 54 देशों पर अतिरिक्त टैरिफ लगाने की घोषणा की है। अमेरिकी प्रशासन का दावा है कि इन देशों में जबरन मजदूरी से बने उत्पादों के आयात पर पर्याप्त रोक नहीं है।

ट्रम्प बोले- ईरान के सुप्रीम लीडर से मिलकर गर्व होगा,यूरेनियम के लिए सेना भेजने वाले थे, लेकिन इसमें खतरा

तेहरान/वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि अगर अमेरिका और ईरान के बीच समझौता होता है, तो वह ईरान के सुप्रीम लीडर मुजतबा खामेनेई से मिलने के लिए तैयार हैं। व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बात करते हुए ट्रम्प ने कहा- 'मैं मिलना नहीं चाहता, लेकिन अगर मुलाकात होती है तो मुझे गर्व होगा। अगर डील हो जाती है तो मुलाकात संभव है। मुझे इससे कोई दिक्कत नहीं होगी।' ट्रम्प ने यह भी कहा कि कोई भी संभावित मुलाकात सम्मानजनक होगी और मैं ईरान के सुप्रीम लीडर से इज्जत से पेश आऊंगा। इसके अलावा, ट्रम्प ने बताया कि उनकी सरकार ने ईरान से संवर्धित (एनरिच्ड) यूरेनियम हासिल करने के लिए सैनिक भेजने पर विचार किया था, लेकिन यह योजना अंत में खारिज कर दी गई। ट्रम्प के मुताबिक, यह ऑपरेशन बहुत ज्यादा जोखिम भरा था और इसमें अमेरिकी सैनिकों की जान जाने की आशंका थी। इसलिए इसे आगे नहीं बढ़ाया गया। पिछले 24 घंटे के 5 बड़े अपडेट्सः-कुवैत एयरपोर्ट पर ड्रोन हमलाः कुवैत इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर ईरानी ड्रोन टकराने से जोरदार धमाका हुआ, जिससे टर्मिनल-1 को नुकसान पहुंचा। इस हादसे में 1 भारतीय नागरिक की मौत हो गई और 63 लोग घायल हुए, जिनमें कई की हालत गंभीर बताई गई है। इजराइल-लेबनान सीजफायर के बावजूद हमले जारीः सीजफायर के बावजूद दक्षिणी लेबनान में तनाव कम नहीं हुआ है। कई इलाकों में ड्रोन और हवाई हमलों की खबरें आई हैं, जिसमें इजराइली सेना और हिजबुल्लाह दोनों की ओर से जवाबी कार्रवाई का दावा किया जा रहा है। ईरान की सख्त चेतावनीः ईरान ने साफ कहा है कि अगर उस पर या उसके हितों पर हमला हुआ तो वह कड़ा जवाब देगा। साथ ही कुवैत और बहरीन को चेतावनी दी गई है कि अगर उनकी जमीन का इस्तेमाल ईरान के खिलाफ हुआ तो उसे नजरअंदाज नहीं किया जाएगा। ट्रम्प और अमेरिकी संसद में टकरावः अमेरिकी संसद के निचले सदन ने ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई पर राष्ट्रपति की शक्तियों को सीमित करने का प्रस्ताव पास किया है। इस फैसले का ट्रम्प ने कड़ा विरोध किया और इसे देशहित के खिलाफ बताया। कच्चे तेल की कीमतों में हल्की गिरावटः मिडिल ईस्ट में तनाव के बावजूद सीजफायर की उम्मीदों के चलते वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में हल्की गिरावट दर्ज की गई है। ब्रेंट क्रूड करीब 0.69फीसदी गिरकर 97.14 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंचा, जबकि डब्लूटीआई क्रूड 0.65फीसदी गिरकर 95.40 डॉलर प्रति बैरल।

कुछ पद सिर्फ कम शिक्षितों के लिए, बड़ी डिग्री छिपाकर ये नौकरी लेना गलत, यह असली हकदार से रोजगार छीनने जैसा-सुप्रीम कोर्ट

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि कम शैक्षणिक योग्यता के लिए आरक्षित नौकरी के लिए अपनी शिक्षा छुपाना पद के असली हकदार से रोजगार छीनना है। इसलिए उच्च योग्यता छिपाकर ली गई नौकरी कानूनन अमान्य होगी। जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और जस्टिस आर. महादेवन की बेंच ने मद्रास हाई कोर्ट के 2025 के उस आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें कोर्ट ने सिंडिकेट बैंक के अटेंडेंट की नौकरी पाने के लिए ग्रेजुएशन की डिग्री छुपाने वाले एक व्यक्ति के पक्ष में फैसला सुनाया था। कोर्ट बोला- कुछ पदों को कम पढ़े-लिखे लोगों के लिए सुरक्षित रखना सही-सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि कम पढ़े-लिखे लोग कम योग्यता वाली नौकरियों में ज्यादा पढ़े-लिखे लोगों का मुकाबला नहीं कर सकते हैं। ऐसे में सरकार का कुछ पदों को कम पढ़े-लिखे लोगों के लिए सुरक्षित रखना पूरी तरह सही है। कोर्ट ने 2025 के एक पुराने फैसले का हवाला देते हुए कहा कि सार्वजनिक रोजगार सभी योग्य उम्मीदवारों को तय नियमों के तहत ही मिलना चाहिए। सिर्फ इसलिए कि कोई उम्मीदवार तय सीमा से अधिक पढ़ा-लिखा है, उसे उस कम

योग्यता वाले पद पर नियुक्ति का कोई स्वतः अधिकार नहीं मिल जाता। 27 मई को सुप्रीम कोर्ट ने सीबीएसई 9वीं क्लास में थ्री-लैंग्वेज रूल पर अपनी सुनवाई में कहा कि थ्री-लैंग्वेज रूल लागू करने के फैसले पर जांच की जाएगी। साथ ही कोर्ट ने कहा कि ये देखना होगा कि सीबीएसई के थ्री-लैंग्वेज रूल की वजह से छात्रों और संसाधनों पर बेमतलब का दबाव तो नहीं पड़ रहा। सीजेआई सूर्यकांत की अगुवाई वाली तीन जजों की बेंच ने कहा कि इस पॉलिसी को लागू करने में आने वाली जमीनी और व्यवस्थागत दिक्कतों को समझना होगा, खासकर तब जब शिक्षकों और किताबों दोनों की ही कमी है। सुप्रीम कोर्ट ने 30 मई को स्पष्ट किया कि स्कूलों में काम कर रहे शिक्षकों के लिए टीचर एलिजिबिलटी टेस्ट (टेट) पास करना अनिवार्य है। कोर्ट ने टेट पास करने की समयसीमा 31 अगस्त 2027 से बढ़ाकर 31 अगस्त 2028 कर दी। हालांकि कोर्ट ने कहा कि इसके बाद कोई और समय नहीं दिया जाएगा। कोर्ट ने कहा, बिना टेट योग्यता वाले शिक्षक सेवा में बने रहे तो इसका असर आने वाली पीढ़ियों की शिक्षा पर पड़ेगा। फैसले का असर देश के 20 लाख से ज्यादा शिक्षकों पर होगा। जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस मनमोहन की बेंच ने 65 से अधिक पुनर्विचार याचिकाएं खारिज कर दीं। ये याचिकाएं राज्य सरकारों, शिक्षक संगठनों और व्यक्तिगत शिक्षकों ने दायर की थीं। सभी ने 2025 के फैसले पर पुनर्विचार मांगा था।

आवारा श्वानो के लिए भिड़े दो देश, मेक्सिको ने इसे अपना बताया, ब्राजील में नाराजगी

300 नस्लों से मिलकर बना कैरामेलो डॉग,100 साल में विकसित हुआ कैरामेलो

मेक्सिको। ब्राजील और मेक्सिको के बीच इन दिनों भूरे रंग के एक अवारा कुत्ते को लेकर विवाद छिड़ गया है। इसका नाम कैरामेलो है। ब्राजील के लोग इस कुत्ते को देश की पहचान मानते हैं। उनका कहना है कि ब्राजील में कैरामेलो उतना ही खास है जितना फुटबॉल और सांबा संगीत। मेक्सिको ने इसी साल अप्रैल में कैरामेलो को स्थानीय नस्ल घोषित कर दिया जिसके बाद यह विवाद शुरू हुआ। मेक्सिको के इस फैसले ने ब्राजील में नाराजगी पैदा कर दी। कई ब्राजीलियाई लोगों को लगा कि उनकी सांस्कृतिक पहचान का एक महत्वपूर्ण हिस्सा उनसे छीना जा रहा है। वैज्ञानिक दृष्टि से कैरामेलो किसी एक शुद्ध नस्ल का कुत्ता नहीं है। ब्राजील की जेनेटिक्स कंपनी डीएनए पेट्स की स्टडी के मुताबिक, यह 300 से ज्यादा विदेशी नस्लों के कुत्तों के मिश्रण से बना है। यह किसी एक समय पर विकसित की गई नस्ल

नहीं, बल्कि कई पीढ़ियों में सैकड़ों नस्लों के प्राकृतिक मिश्रण से बना कुत्ता है। कैरामेलो नाम इन कुत्तों के हल्के भूरे या टॉफी जैसे रंग की वजह से पड़ा है। ब्राजील में इन कुत्तों की लोकप्रियता इतनी ज्यादा है कि इन पर मीम बनते हैं, टी-शर्ट छपती हैं, वायरल गाने बनाए जाते हैं और कार्निवल परेड में इनके सम्मान में झांकियां तक निकाली जाती हैं। यहां तक कि इन्हें ब्राजील की मुद्रा पर जगह देने का प्रस्ताव भी चर्चा में आया था। कैरामेलो पुर्तगाली भाषा का शब्द है, जिसका अर्थ कैरेमल या टॉफी जैसा हल्का भूरा रंग होता है। इसी रंग के कारण ब्राजील में भूरे रंग के अवारा कुत्तों को 'कैरामेलो' कहा जाता है। 2019 में यह डॉग सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। इसकी लोकप्रियता इतनी बढ़ी कि लोगों ने ब्राजील के 10 रियास के नोट पर बने पक्षी की जगह कैरामेलो डॉग की तस्वीर लगाने की मांग शुरू कर दी। इसके लिए शुरू हुई एक याचिका पर करीब 50 हजार लोगों ने साइन किए। इसके बाद 2023 में ब्राजील के सांसदों ने एक बिल पेश किया था, जिसमें कैरामेलो स्ट्रीट डॉग्स को राष्ट्रीय धरोहर घोषित करने की मांग की गई थी।**आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

पाकिस्तान में फ्रांस की महिला से गैंगरेप करने वाले 2 दोषियों की फांसी की सजा बरकरार

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की लाहौर हाईकोर्ट ने 2020 के

चर्चित मोटरवे गैंगरेप केस में दो दोषियों की फांसी की सजा बरकरार रखी है। दोषियों ने फ्रेंच महिला पर्यटक को उसके तीन बच्चों के सामने कार से बाहर निकालकर गन पॉइंट पर गैंगरेप किया था। मार्च 2021 में एंटी टेररिज्म कोर्ट ने दोनों को गैंगरेप, अपहरण, लूट और आतंकवाद से जुड़े आरोपों में दोषी ठहराते हुए फांसी की सजा सुनाई थी। इसके बाद दोनों आरोपियों ने लाहौर हाईकोर्ट में फैसले के खिलाफ अपील की। अब लाहौर हाईकोर्ट ने दोषी आबिद अली और शफकत अली की अपील खारिज कर दी है। यह घटना सितंबर 2020 में सियालकोट-लाहौर मोटरवे पर हुई थी। फ्रांसीसी मूल की महिला अपने तीन बच्चों के साथ सफर कर रही थी, तभी उसकी कार का पेट्रोल खत्म हो गया। जांच के मुताबिक, महिला कार के अंदर मदद का इंतजार कर रही थी। इसी दौरान आरोपियों ने कार का शीशा तोड़ा, महिला को बाहर घसीटा और बंदूक की नोक पर बच्चों के सामने गैंगरेप किया। आरोपियों ने नकदी, गहने और बैंक कार्ड भी लूट लिए थे।

राजस्थान में संभावित इबोला वायरस का पहला केस मिला,युगांडा से आई महिला में इस संक्रमण जैसे लक्षण

जयपुर। राजस्थान में इबोला वायरस पहला संदिग्ध केस मिला है। युगांडा से राजस्थान घूमने आई महिला में इबोला संक्रमण जैसे

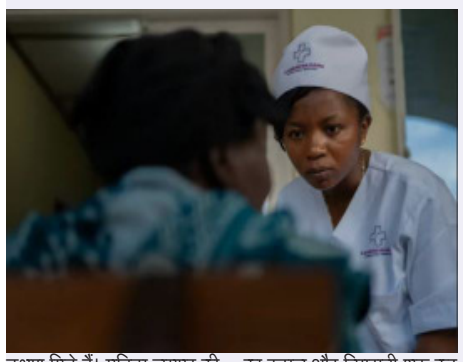

लक्षण मिले हैं। महिला जयपुर की राजस्थान यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज (आरयूएचएस) में एडमिट हैं। मरीज को आइसोलेशन में रखा गया है। संदिग्ध मिलने के बाद हेल्थ डिपार्टमेंट अलर्ट हो गया है। अधिकारियों का कहना है कि रिपोर्ट आने तक सभी एहतियाती उपाय जारी रहेंगे। जांच के लिए पुणे भेजे सैंपल-आरयूएचएस हॉस्पिटल के अधीक्षक डॉ. अनिल गुप्ता ने बताया कि फिलहाल महिला में इबोला वायरस संक्रमण की पुष्टि नहीं हुई है। इबोला संक्रमण से मिलते-जुलते लक्षण पाए गए हैं। केवल लक्षणों के आधार पर इसे इबोला नहीं माना जा सकता है। जांच रिपोर्ट के बाद ही निष्कर्ष निकाला जाएगा। हालांकि विशेष प्रोटोकॉल के तहत महिला का इलाज और निगरानी शुरू कर दी गई है। महिला के सैंपल जांच के लिए पुणे की लैब में भेजे गए हैं। रिपोर्ट आज शाम या कल सुबह तक आने की संभावना है। भारत में अब तक एक भी केस नहीं-पूरी दुनिया में इबोला वायरस से संक्रमित लोगों की संख्या 900 हो गई है। इसके कारण कांगो में पिछले 20 दिनों में 200 लोगों की मौत हो चुकी है। इबोला वायरस का 'बुंडीबुग्यो' वेरिएंट तेजी से फैल रहा है। इसलिए डब्लूएचओ ने इसे ग्लोबल हेल्थ इमरजेंसी घोषित किया है। भारत में अभी तक इबोला वायरस का कोई मामला नहीं दर्ज हुआ है। भारत सरकार ने क्या एडवाइजरी जारी की है? इबोला वायरस के संबंध में भारत सरकार द्वारा जारी एडवाइजरी में 4 मुख्य बातें कही गई हैं- कांगो (डीआरसी), युगांडा और साउथ सूडान की गैरजरूरी यात्रा से बचने की सलाह दी गई है, क्योंकि इन क्षेत्रों में इबोला संक्रमण का रिस्क है। एयरपोर्ट समेत अन्य एंट्री पॉइंट्स पर निगरानी बढ़ाने और प्रभावित क्षेत्रों से आने वाले यात्रियों की जांच करने के निर्देश दिए गए हैं। अज्ञात बुखार वाले यात्रियों की पहचान, जांच, रिपोर्टिंग और उचित मैनेजमेंट सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया है। डब्लूएचओ की सिफारिशों के अनुसार सावधानी बरतने और प्रभावित क्षेत्रों की यात्रा कम करने की सलाह दी गई है। पूरी दुनिया में इबोला वायरस डिसीज (ईवीडी) से पीड़ित मरीजों में 25फीसदी से 90फीसदी की मौत होती है। इबोला वायरस पहली बार 1976 में अफ्रीका में सामने आया था। उस समय सूडान और तत्कालीन जायरे (अब डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो) में इसके मामले मिले थे। कांगो में जिस इलाके में यह वायरस मिला, उसके पास बहने वाली इबोला नदी के नाम पर इसका नाम रखा गया। यह जानलेवा बीमारी संक्रमित व्यक्ति के खून, उल्टी और शरीर के दूसरे तरल पदार्थ के संपर्क से फैलती है।

'सीजेपी' फाउंडर का यू-टर्न,समर्थकों से दिल्ली एयरपोर्ट नहीं आने की अपील की, आज अपने भारत लौटने पर बुलाया था

नयी दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के फाउंडर अभिजीत दिपके ने 6 जून को भारत लौटने से पहले अपने पुरानी अपील से यू-टर्न ले लिया है। उन्होंने 4 जून को रात 10 बजे सोशल मीडिया पर एक वीडियो मैसेज जारी कर समर्थकों से दिल्ली एयरपोर्ट पर न आने की अपील की है। कुछ दिन पहले उन्होंने खुद समर्थकों से एयरपोर्ट पहुंचने का आह्वान किया था। अब उन्होंने कहा है कि उम्मीद से ज्यादा समर्थन मिलने के कारण बड़ी भीड़ जुट सकती है, जिससे आम लोगों और सुरक्षा व्यवस्था को परेशानी हो सकती है। अभिजीत ने कहा- मैं एयरपोर्ट से पार्लियामेंट स्ट्रीट पुलिस स्टेशन जाकर जंतर-मंतर पर शांतिपूर्ण प्रदर्शन की इजाजत लूंगा। आप सब लोग वहीं आइए। एयरपोर्ट पर भीड़ जमा करने की जरूरत नहीं है। हमें जिम्मेदारी के साथ आगे बढ़ना होगा। इससे पहले उन्होंने एक वीडियो मैसेज पर कहा था कि उन्हें भारत पहुंचते ही एयरपोर्ट से गिरफ्तार किया जा सकता है। शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर 6 जून को दिल्ली के जंतर-मंतर पर सीजेपी का प्रदर्शन होने वाला है। सीजेपी ने 4 जून को दिल्ली में अपनी पहली प्रेस कॉन्फ्रेंस की। पार्टी के तीन प्रवक्ता पहली बार अपनी मांगों को लेकर जनता के बीच आए। उन्होंने शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग को दोहराया और कहा इसके लिए वे सरकार और विपक्ष दोनों से

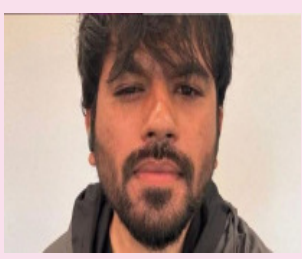

बातचीत को तैयार हैं। सीजेपी प्रवक्ता सौरव दास ने सीबीएसई चेयरमैन राहुल सिंह और सचिव हिमांशु गुप्ता के तबादले को सिर्फ दिखावा बताया। उन्होंने कहा कि शिक्षा व्यवस्था में जवाबदेही तय होनी चाहिए और केवल तबादलों से समस्या का समाधान नहीं होगा। सीजेपी फाउंडर अभिजीत दिपके 6 जून को अमेरिका से दिल्ली पहुंचेंगे। इसके बाद वे जंतर-मंतर पर प्रदर्शन की अनुमति लेने के लिए संसद मार्ग थाने जाएंगे। पार्टी ने देशभर के युवाओं से इस आंदोलन में शामिल होने की अपील की है। पार्टी ने दावा किया कि जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक भी प्रदर्शन में शामिल हो सकते हैं। सीजेपी नेताओं ने कहा कि यह आंदोलन शिक्षा व्यवस्था और राजनीतिक तंत्र को लेकर युवाओं की बढ़ती नाराजगी को दर्शाता है। सीजेपी बनाने वाले अभिजीत दिपके 30 साल के हैं। वे महाराष्ट्र के संभाजी नगर के रहने वाले डिजिटल मीडिया स्ट्रैटेजिस्ट हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, उन्होंने पुणे से पत्रकारिता की पढ़ाई की है। फिलहाल वे अमेरिका की बोस्टन यूनिवर्सिटी में पब्लिक रिलेशन से मास्टर्स कर रहे हैं। अभिजीत 2020 से 2022 तक केजरीवाल की आम आदमी पार्टी के सोशल मीडिया स्ट्रैटेजिस्ट रहे हैं। 2020 के दिल्ली विधानसभा चुनावों में वे आप के लिए वायरल मीम बेस्ड ऑनलाइन प्रचार सामग्री बनाते थे। एक इंटरव्यू में अभिजीत ने बताया कि निजी जिंदगी और आर्थिक स्थिरता के लिए उन्होंने आप छोड़कर बोस्टन यूनिवर्सिटी में अप्लाई किया था। एडमिशन मिलने पर वे अमेरिका शिफ्ट हो गए। अभिजीत किसान आंदोलन से लेकर महंगाई जैसे मुद्दों पर एक्स अकाउंट पर केंद्र सरकार और पीएम पर निशाना साधते रहे हैं।

एयरपोर्ट पर खड़ा विमान अचानक गिरा, कॉकपिट की तरफ से जमीन पर गिरा-कई घायल

हेसेन। फ्रैंकफर्ट एयरपोर्ट पर गेट के पास खड़ा एक यात्री विमान

अचानक आगे की तरफ झुक गया। विमान का अगला पहिया टूटने से उसका सामने वाला हिस्सा सीधे जमीन पर जा गिरा। हादसे में कई कर्मचारी घायल हो गए। यह घटना तब हुई, जब जर्मन एयरलाइंस लुफ्थांसा के बोइंग 787-9 ड्रीमलाइनर विमान उड़ान की तैयारी में था। उस समय यात्री विमान में सवार नहीं हुए थे, लेकिन क्रू मेंबर और ग्राउंड स्टाफ अंदर मौजूद थे। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में विमान का अगला हिस्सा तेजी से नीचे गिरता दिखा। घटना के तुरंत बाद एयरपोर्ट पर इमरजेंसी टीमें पहुंचीं। लुफ्थांसा ने बताया कि घायलों का इलाज चल रहा है। यह विमान फ्रैंकफर्ट से लॉस एंजिलिस जाने वाला था। जिस विमान के साथ हादसा हुआ, वह नया बोइंग 787-9 ड्रीमलाइनर था और जनवरी 2026 से ही नियमित सेवा में शामिल हुआ था। फिलहाल हादसे की जांच शुरू कर दी गई है।

एमपी-यूपी में तेज आंधी के साथ बारिश, राजस्थान में ओले,सड़कों पर पेड़ गिरे,27 राज्यों में बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली। देश के 11 राज्यों में गुरुवार को आंधी-बारिश ने

तबाही मचाई। मध्य प्रदेश के भोपाल में 70किमी/घंटा की रफ्तार से तूफान आया। इससे कई इलाकों में 80 से ज्यादा पेड़ गिरे। उत्तर प्रदेश के भी 12 शहरों में बारिश हुई, नोएडा में भी दोपहर बाद तेज हवाओं के कारण 400 पेड़ उखड़ गए। पेड़ गिरने कई जगह गाड़ियां दब गईं। रास्ते घंटों जाम रहे। राजस्थान के जयपुर में दिल्ली से 4 फ्लाइट डायवर्ट करनी पड़ीं। श्रीगंगानगर में ओले गिरे। दिल्ली-एनसीआर में भी खराब मौसम के कारण 11 उड़ानों को डायवर्ट करना पड़ा। मौसम का हालः- 6 जूनः-राजस्थान, गुजरात, मध्य प्रदेश, ओडिशा और तटीय आंध्र प्रदेश में आंधी-तूफान की आशंका के साथ ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। शनिवार तक अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, केरलम, कर्नाटक, लक्षद्वीप, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में तेज बारिश होने का अनुमान है। जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, मध्य महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में कुछ जगहों पर आंधी-तूफान के साथ ओले गिरने का भी अनुमान लगाया है। 7 जून- पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, चंडीगढ़, उत्तर प्रदेश और राजस्थान के कई हिस्सों में 40-50किमी/घंटा की रफ्तार से हवा चल सकती है। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड और बिहार के कुछ क्षेत्रों में बारिश और आंधी की स्थिति रह सकती है। केरलम, कर्नाटक, तमिलनाडु, पुडुचेरी और आंध्र प्रदेश में बारिश का अनुमान है। तटीय क्षेत्रों में कहीं-कहीं तेज बारिश भी हो सकती है। असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में बारिश और आंधी-तूफान का असर रहेगा। 15 जूनः केरलम के 7 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट तमिलनाडु और कर्नाटक में भी पंहुचा । केरलम के 7 जिलों में ऑरेंज अलर्ट- 16 जून से 5 जुलाईः इन राज्यों में पहुंचेगा- मेघालय, असम, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, महाराष्ट्र, बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, गुजरात, लद्दाख, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, चंडीगढ़, राजस्थान।

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। दिनांक 05.06.2026 को पर्यावरण दिवस के अवसर पर 'एक पेड़ मां के नाम' वृक्षारोपण जन अभियान के अंतर्गत पुलिस उपायुक्त नगर द्वारा पर्यावरण संरक्षण में उत्कृष्ट योगदान देते हुए रिजर्व पुलिस लाइन कमिश्नरेट प्रयागराज में वृक्षारोपण किया गया।

वाराणसी में 7 वर्ष बाद भी नहीं चालू हुई बिजली सप्लाई, उपभोक्ताओं को मिल रहे बिल जमा करने के संदेश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) वाराणसी। अनेई विद्युत उपकेंद्र के अंतर्गत बलरामपुर के दशपतपुर मौजा में लगभग सात वर्ष पूर्व बिजली लाइन के नवीनीकरण के दौरान कई घरेलू उपभोक्ताओं को मीटर लगाकर विद्युत कनेक्शन प्रदान किया गया था। हालांकि, आज तक क्षेत्र में बिजली आपूर्ति शुरू नहीं हो सकी है।ग्रामीणों के अनुसार बिजली सप्लाई न होने के बावजूद उपभोक्ताओं के पास लगातार बिजली बिल और भुगतान संबंधी संदेश आ रहे हैं। उनका कहना है कि मीटर लगे हुए हैं, लेकिन उनमें कभी बिजली प्रवाहित नहीं हुई। आपूर्ति शुरू न होने के कारण लगभग एक वर्ष पूर्व लाइन में लगी करीब 50 मीटर केबल भी चोरों द्वारा काट ली गई थी। ग्रामीणों का आरोप है कि उन्होंने कई बार बिजली विभाग के अधिकारियों से शिकायत की, लेकिन हर बार केवल आश्वासन ही मिला। बिजली आपूर्ति शुरू न होने से क्षेत्र के कई नए उपभोक्ता भी कनेक्शन लेने से वंचित हैं, जिससे दर्जनों परिवार प्रभावित हो रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि उन्होंने संबंधित एसडीओ को कई बार सूचना दी, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हुआ।

आरोप है कि अधिकारी शिकायतों को गंभीरता से नहीं ले रहे हैं और मामले को लगातार टाला जा रहा है। कुछ ग्रामीणों ने नाम प्रकाशित न करने की शर्त पर आरोप लगाया कि संबंधित अधिकारी क्षेत्र का नियमित निरीक्षण नहीं करते तथा कार्यों के संचालन के लिए निजी व्यक्तियों पर निर्भर रहते हैं। ग्रामीणों का कहना है कि यदि शीघ्र ही बिजली आपूर्ति बहाल नहीं की गई तो वे उच्च अधिकारियों से शिकायत करेंगे।

उ0प्र0 पुलिस में नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों पर सीधी भर्ती-2025 की लिखित परीक्षा सकुशल सम्पन्न कराने हेतु बैठक सम्पन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका व पुलिस अधीक्षक रवि

कुमार की संयुक्त अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में उ0प्र0 पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड लखनऊ द्वारा उ0प्र0 पुलिस में आरक्षी नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों पर सीधी भर्ती-2025 की लिखित परीक्षा को शुचितापूर्ण, नकलविहीन, निर्विघ्न सम्पन्न कराने हेतु बैठक सम्पन्न हुई। जिलाधिकारी ने बताया कि उक्त परीक्षा 08, 09 व 10 जून 2026 को प्रत्येक दिवस को दो पाली में प्रथम पाली समय प्रातः 10:00 बजे से मध्यान्ह 12:00 बजे तक व द्वितीय पाली समय अपरान्ह 03:00 बजे से 05:00 बजे तक जनपद के 11 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की जायेगी। जनपद में प्रत्येक पाली में कुल 3744 प्रत्येक दिवस दो पाली तीनों दिवस में अर्थात 06 पाली की कुल संख्या 22464 परीक्षार्थी प्रतिभाग करेंगे। प्रश्नगत परीक्षा के अवसर पर कानून एवं शांति व्यवस्था सुनिश्चित कराने एवं परीक्षा को शुचिता पूर्वक सम्पन्न कराने हेतु सेक्टर मजिस्ट्रेट एवं प्रत्येक परीक्षा केन्द्र पर स्टैटिक मजिस्ट्रेट तैनात किये गये है। परीक्षा केन्द्र पर तैनात स्टैटिक मजिस्ट्रेट आवंटित परीक्षा केन्द्रों की भौगोलिक स्थिति की जानकारी ससमय अवश्य कर लेंगे और परीक्षा दिवस पर परीक्षा प्रारम्भ होने से पूर्व कम से कम 03 घंटा पहले अनिवार्य रूप से पहुंच जायेगें। परीक्षा केन्द्र पर अभ्यर्थियों की फ्रिस्किंग, सी0सी0 टी0वी0 कन्ट्रोल रूम इत्यादि का निरीक्षण करेंगे। उन्होंने कहा कि प्रत्येक परीक्षा केन्द्रों पर यह सुनिश्चित कराया लिया जाये कि जहां पर अभ्यर्थियों की चेकिंग की जाएगी वहां पर छायादार स्थान हो, और पर्याप्त पेयजल की व्यवस्था हो। सेक्टर मजिस्ट्रेट मजिस्ट्रेट परीक्षा के दौरान केन्द्र व्यवस्थापक से समन्वय बनाते हुए परीक्षा केन्द्र पर समस्त व्यवस्थाएं एवं औपचारिकताएं पूर्ण करायेंगे।केन्द्र व्यवस्थापक द्वारा कार्यदायी संस्था (गोपनीय), कार्यदायी संस्था (सुरक्षा), के प्रतिनिधि, तैनात पुलिस बल से समन्वय स्थापित कर अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को पूर्ण कराकर उ0प्र0 पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड लखनऊ द्वारा निर्गत निर्देशों के अनुरूप ससमय अनुपालन कराते हुए परीक्षा को सकुशल सम्पन्न कराना सुनिश्चित करेंगे। सेक्टर मजिस्ट्रेट/स्टैटिक मजिस्ट्रेट, उ0प्र0 पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड लखनऊ द्वारा निर्गत निर्देशों का अक्षरशः त्रुटिरहित अनुपालन सुनिश्चित कराया जायेगा। बैठक में अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ, जिला प्रबंधन परीक्षा संचालन डॉ0 श्रीकांत उपाध्याय, जिला विद्यालय निरीक्षक संजीव कुमार सिंह, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल सिंह सहित सम्बन्धित अधिकारीगण व सेक्टर मजिस्ट्रेट, स्टैटिक मजिस्ट्रेट, केन्द्र व्यवस्थापक आदि उपस्थित रहें।

बौद्ध स्थलों के भ्रमण के बाद किया विशाल भीम भोज का आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) गौरीगंज/अमेठी। घटकौर (भेटुआ)

राम पती बौद्ध एवं गुरूचरण बौद्ध सेवा निवृत्त डिप्टी रेंजर ने बौद्ध स्थलों के भ्रमण के उपरांत बौद्ध अनुयायियों,भिक्खू संघ को अपने निज निवास पर आमंत्रित कर एक विशाल बौद्ध धम्म सम्मेलन एवं भीम भोज का आयोजन किया। इसमें विभिन्न संगठनों अम्बेडकर कल्याण समिति जनपद अमेठी, जनपद सुल्तानपुर,द बुद्धिष्ट सोसाइटी आफ इंडिया, शिक्षक संघ, बहुजन समाज पार्टी, बामसेफ के बहुत से पदाधिकारी,आस- पास की ग्राम सभाओं के बच्चे, बूढ़े, महिलाएं नौजवान बड़ी संख्या में भीम भोज में पहुंचकर कार्यक्रम का लाभ उठाया। सिक्ख संघ ने अपने ज्ञान की ज्योति से उपस्थित उपासक - उपासिकाओं को धम्म मार्ग पर चलने हेतु बौद्ध मिशन गायक भल्लू बावरा ने जो आंखों से दिव्यांग हैं ने अपनी मण्डली के साथ गायकी का वह समा बांधा कि सभी नर -नारी मंत्र मुग्ध हो गए।

डीएम, एसपी व सीडीओ ने कलेक्ट्रेट परिसर में किया वृक्षारोपण,वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का लिया गया संकल्प

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। विश्व पर्यावरण दिवस

के अवसर पर आज कलेक्ट्रेट परिसर में जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका, पुलिस अधीक्षक रवि कुमार एवं मुख्य विकास अधिकारी अंजुलता द्वारा वृक्षारोपण किया गया। इस दौरान सभी अधिकारियों ने पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन का संकल्प लिया गया। जिलाधिकारी ने इस अवसर पर कहा कि वृक्षारोपण का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण को शुद्ध एवं संतुलित बनाए रखना है। उन्होंने आमजन से अपील करते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अधिक से अधिक पौधरोपण करना चाहिए, जिससे आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण मिल सके। पुलिस अधीक्षक एवं मुख्य विकास अधिकारी ने भी वृक्षारोपण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वृक्ष हमारे जीवन का आधार हैं और इनका संरक्षण हम सभी की जिम्मेदारी है। इसके पश्चात जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका ने विकास खण्ड राही अंतर्गत ग्राम कटिहार (भांव) में भी वृक्षारोपण किया तथा वृक्षारोपण स्थल का निरीक्षण कर जायजा लिया। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ, अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) विशाल यादव, उपजिलाधिकारी सदर गौतम सिंह, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद स्वर्ण सिंह सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया।

मा0 उद्यान मंत्री ने विश्व पर्यावरण दिवस पर किया वृक्षारोपण,''एक पेड़ मां के नाम'' अभियान के तहत पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। विश्व पर्यावरण दिवस

के अवसर पर मा0 राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार तथा कृषि निर्यात, उ0प्र0 सरकार, दिनेश प्रताप सिंह द्वारा गुरू गोविन्द सिंह पर्यावरणीय उद्यान एवं पार्क, रायबरेली में ''एक पेड़ मां के नाम'' अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण किया गया। इस अवसर पर मा0 उद्यान मंत्री ने कहा कि वृक्ष हमारे जीवन का आधार हैं और पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने आमजन से अपील करते हुए कहा कि सभी लोग अधिक से अधिक वृक्ष लगाएं तथा उनकी नियमित देखभाल भी सुनिश्चित करें, ताकि आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण मिल सके। उन्होंने कहा कि ''एक पेड़ मां के नाम'' अभियान न केवल पर्यावरण संरक्षण का संदेश देता है, बल्कि यह भावनात्मक रूप से भी लोगों को प्रकृति से जोड़ने का कार्य करता है। इस प्रकार के अभियानों से समाज में जागरूकता बढ़ेगी और हर व्यक्ति वृक्षारोपण के प्रति प्रेरित होगा। इस मौके पर उपायुक्त श्रम/रोजगार प्रमोद सिंह, जिला विकास अधिकारी वर्षा सिंह, उप निदेशक उद्यान लखनऊ मण्डल, लखनऊ डॉ0 डी0के0 वर्मा, जिला उद्यान अधिकारी डॉ0 जय राम वर्मा, जिलाध्यक्ष भाजपा बुद्धिलाल पासी, देवेन्द्र सिंह सहित अन्य अधिकारी, कर्मचारी एवं आम जनमानस उपस्थित रहे। सभी ने वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया।

अस्पताल रोड पर चला अतिक्रमण हटाओ अभियान, नगर परिषद की कार्रवाई से मचा हड़कंप

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) शहडोल। ब्यौहारी नगर परिषद

द्वारा नगर में अवैध अतिक्रमण के खिलाफ विशेष अभियान चलाते हुए राधा कृष्ण मंदिर से लेकर अस्पताल रोड के आसपास के क्षेत्रों में कार्रवाई की गई। मुख्य नगर पालिका अधिकारी शिवांगी पांडे के निर्देश पर नगर परिषद की टीम ने सड़क किनारे किए गए अस्थायी और स्थायी अतिक्रमणों को हटाया। नगर परिषद क्षेत्र अधिकारियों ने बताया कि लंबे समय से सड़क और सार्वजनिक स्थलों पर किए गए अतिक्रमण के कारण आम लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। शिकायतों और निरीक्षण के बाद अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान दुकानों के सामने रखे गए सामान, टीन शेड, गुमटियां तथा अन्य अवैध निर्माण हटाए गए। कार्रवाई के दौरान नगर परिषद का अमला मौके पर मौजूद रहा और संबंधित लोगों को भविष्य में सार्वजनिक भूमि पर कब्जा नहीं करने की चेतावनी भी दी गई।

बच्चियों के स्कूल में सीसीटीवी व उपकरण से छेड़खानी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। बीते सोमवार को थाना मुट्ठीगंज स्थित 'जमुना

क्रिस्चियन जूनियर हाई स्कूल' के सीसीटीवी व उपकरण को ही पार कर दिया। घटना दिनांक 01.जून 2026 को बीती रात करीब 10:00 बजे से सुबह 5 बजे की हैं। हालांकि गार्ड्स के रहते वो और कुछ नहीं चोरी कर पाए। पूर्व में भी वहीं चोरी की घटना हुई थी पर तत्कालीन पुलिस कर्मियों ने तत्परता दिखाते हुए चोरी का माल बरामद करवा दिया था। पर इस बार कोई कार्यवाही न होने से विद्यार्थियों के अभिवावक डरे हुए हैं। दुर्भावना के तहत उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था को ठप करने के लिए परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों की लगभग 350 मीटर केबल (तार) एवं कुछ कमेरो के पाट्र्स को काट दिया और उसे चोरी कर के ले गए। चूंकि सीसीटीवी कैमरे काफी ऊंचाई पर स्थापित थे, इस वजह से चोर कैमरों तक नहीं पहुँच पाए और कैमरे चोरी होने से बच गए। लेकिन तार कटने के कारण विद्यालय की सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह बाधित हो गई है। आशंका है कि यह किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की एक साजिश का हिस्सा हो सकता है। विद्यालय में बच्चों की सुरक्षा व संपत्ति को देखते हुए इस घटना को विद्यालय प्रसाशन गंभीरतापूर्वक देख रहा हैं।

पर्यावरण दिवस पर आईएमएस नोएडा में पौधारोपण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज (आईएमएस) नोएडा में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पर्यावरण संरक्षण और जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन हुआ। शुक्रवार को सेक्टर 62 स्थित संस्थान परिसर में शिक्षक एवं छात्रों ने पौधारोपण कर पर्यावरण के प्रति सजगता तथा हरित एवं स्वच्छ वातावरण के निर्माण का संदेश दिया। वहीं कार्यक्रम के दौरान संस्थान के स्टाफ एवं फैकल्टी ने एक दूसरे को भेज स्वरूप पौधे एवं कपड़े के बैग दिए। कार्यक्रम के दौरान अपना संदेश देते हुए आईएमएस नोएडा के प्रसिडेंट राजीव कुमार गुप्ता ने कहा कि आज के दौर में पर्यावरण संरक्षण हमारी नैतिक, सामाजिक और वैश्विक जिम्मेदारी बन चुका है। यह न केवल हमारी वर्तमान पीढ़ी का दायित्व है, बल्कि हमारी आने वाली पीढ़ियों को एक स्वच्छ, सुरक्षित और समृद्ध भविष्य देने का माध्यम भी है। हमें यह समझना होगा कि प्रकृति के साथ सामंजस्यपूर्ण सह-अस्तित्व ही सतत विकास का मार्ग है। उन्होंने कहा कि छोटे-छोटे सकारात्मक प्रयास जैसे वृक्षारोपण, ऊर्जा की बचत, जल संरक्षण और अपशिष्ट प्रबंधन से हम एक बड़े परिवर्तन की नींव रख सकते हैं। यदि हम आज सचेत नहीं हुए, तो कल बहुत देर हो जाएगी। अतः आइए, हम सभी मिलकर इस पृथ्वी को हरा-भरा और जीवनदायिनी बनाए रखने की दिशा में दृढ़ संकल्प लें। आईएमएस के आउटरीच सेल की हेड वर्षा छबारिया ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को रिड्यूस, रीयूज, रीसायकल एवं रिकवर के सिद्धांतों को अपनाकर प्रकृति की रक्षा का संकल्प दिलाया गया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए जागरूकता और व्यवहारिक बदलाव दोनों आवश्यक हैं। कार्यक्रम में आईएमएस के रजिस्ट्रार प्रदीप सारस्वत, डीन डॉ. वर्तिका चतुर्वेदी सहित संस्थान के शिक्षकों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

विश्व पर्यावरण दिवस पर युवाओं ने छेड़ा 'जीरो वेस्ट अभियान'

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर सूरजपुर वेटलैंड में वाईएसएस फाउंडेशन के नेतृत्व में युवाओं ने 'जीरो वेस्ट अभियान' चलाकर पर्यावरण संरक्षण, वृक्षारोपण एवं स्वच्छता का संदेश दिया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्वयंसेवकों, स्थानीय नागरिकों एवं विभिन्न विभागों के प्रतिनिधियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्री बृजेश सिंह (प्रभारी मंत्री, गौतमबुद्धनगर एवं लोक निर्माण विभाग, उत्तर प्रदेश), श्रीमती मेधा रूपम (आईएएस, जिलाधिकारी गौतमबुद्धनगर), श्री अभिषेक शर्मा (भाजपा जिलाध्यक्ष, गौतमबुद्धनगर) तथा श्री राजीव मित्तल (वन विभाग अधिकारी, गौतमबुद्धनगर) ने पर्यावरण संरक्षण के लिए युवाओं के प्रयासों की सराहना की। वाईएसएस फाउंडेशन के समन्वयक दुर्गा प्रसाद दुबे ने 'नया पेड़ लगाएं, पुराने पेड़ों का संरक्षण करें' का संदेश देते हुए नागरिकों से सिंगल यूज़ प्लास्टिक का बहिष्कार करने और स्टील के बर्तनों को अपनाने की अपील की। इस अवसर पर सलीम बहरीन ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए जनभागीदारी सबसे महत्वपूर्ण है। युवाओं ने 'री-यूज़, रिड्यूस और रीसायकल' को अपनाने तथा जीरो वेस्ट अभियान को जन-आंदोलन बनाने का संकल्प लिया। मुख्य संदेशः 'नया पेड़ लगाएं, पुराने पेड़ों को बचाएं – जीरो वेस्ट अपनाएं, पर्यावरण बचाएं।'

नो मीन्स नो

यूपी में हरियाणवी डांसर ने युवक को लगाया तमाचा, कमर छूने पर भड़कीं, बोलीं- नाच रही इसका मतलब ये नहीं हाथ लगाओगे

सोनीपत। स्टेज डांसर डिंपल चौधरी के साथ उत्तर प्रदेश के हाथरस में स्टेज शो के दौरान मंच पर बदसलूकी की गई। डिंपल चौधरी ने इस घटना का वीडियो अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर भी शेयर किया है। वीडियो में एक युवक स्टेज पर परफॉर्मेंस के दौरान उनकी कमर को छूता हुआ दिखाई दे रहा है। युवक की इस हरकत पर डिंपल चौधरी भड़क गईं और उन्होंने मंच पर ही उसे थप्पड़ मार दिया। इसके बाद उन्होंने माइक पर युवक को फटकार लगाते हुए कहा, 'परफॉर्मेंस चल रही है इसका मतलब ये नहीं है कि हाथ लगाओगे।' डिंपल चौधरी मूल रूप से उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर की रहने वाली हैं। वह हरियाणा के अलावा राजस्थान और उत्तर प्रदेश में भी स्टेज शो करती हैं। पहले जानिए डिंपल ने क्या-क्या बताया- कई कलाकार परफॉर्मेंस देने आए थे : डिंपल चौधरी ने बताया कि यह घटना 3 जून को उत्तर प्रदेश के हाथरस क्षेत्र में हुई थी। एक व्यक्ति ने अपनी बेटी के जन्मदिन के अवसर पर डांस और रागनी प्रोग्राम रखा था। प्रोग्राम देर शाम करीब 8 बजे शुरू हुआ था, जबकि वह रात करीब 10 बजे मंच पर पहुंची थीं। प्रोग्राम में डांसर और सिंगर शिवानी, कोमल चौधरी समेत कई अन्य कलाकार भी मौजूद थे, जो बारी-बारी से मंच पर अपनी परफॉर्मेंस दे रहे थे। गलत नीयत से कमर पर टच किया : डिंपल ने बताया कि मैं रात लगभग 2:30 बजे वह हरियाणवी सॉन्ग 'गंडास' पर परफॉर्म कर रही थी, तभी एक युवक मंच पर चढ़ आया। वह युवक आयोजक का रिश्तेदार था। परफॉर्मेंस के दौरान उसने गलत नीयत से मेरी कमर को छूने की कोशिश की। इस हरकत से नाराज होकर मंच पर ही मैंने उसे थप्पड़ मार दिया। सम्मान के साथ खिलवाड़ नहीं : डिंपल ने कहा कि कलाकार लोगों के मनोरंजन और अपनी रोजी-रोटी के लिए मंच पर प्रदर्शन करते हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि कोई उनके सम्मान के साथ खिलवाड़ करे। यदि कोई व्यक्ति गलत नीयत से छेड़छाड़ करने की कोशिश करेगा तो उसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उस समय मेरे मुंह से कुछ अपशब्द भी निकल गए थे। हंगामे के बाद डंडे भी चले थे-कानूनी कार्रवाई को लेकर पूछे गए सवाल पर डिंपल चौधरी ने कहा कि मैंने मौके पर ही युवक को उसकी हरकत का जवाब दे दिया था, इसलिए अब मैं पुलिस में शिकायत दर्ज नहीं कराना चाहती। घटना के बाद कार्यक्रम स्थल पर काफी हंगामा हो गया था और भीड़ को नियंत्रित करने के लिए डंडे भी चलाने पड़े थे।डिंपल ने बताया कि मैंने अपने करियर की शुरुआत जागरणों में भजन और गीत गाकर की थी।अश्लील डांस और सोशल मीडिया पर अभद्र भाषा का इस्तेमाल करने पर डिंपल ने कहा- यह मेरी रोजी-रोटी है और इसी से मेरा घर चलता है। लोग मेरा डांस को पसंद करते हैं, इसलिए मुझे बुलाते हैं। जिन्हें पसंद नहीं होता वह उठकर चले जाते हैं।

विश्व पर्यावरण दिवस पर किया वृक्षारोपण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर केंद्रीय विद्यालय के सामने स्थित जजेस कालोनी, रायबरेली में पौधारोपण किया गया। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर प्रभारी सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अमित मिश्रा के द्वारा बताया गया कि मानव और प्रकृति का गहरा नाता है। जहां प्रकृति है, वहां जीवन है और जब इसी प्रकृति को क्षति पहुंचती है तो जीवन पर भी असर पड़ता है। प्रकृति मानव के स्वस्थ जीवन के लिए बहुत कुछ देती है। बदले में मानव पर्यावरण दूषित करता है और प्रकृति का दोहन करता है। जिससे समय के साथ पर्यावरण व प्रकृति नष्ट होती जा रही है। कई तरह की प्राकृतिक आपदाओं का कारण भी पर्यावरण बन सकता है। इसे संरक्षित और सुरक्षित रखने के लिए 5 जून को हर साल पर्यावरण दिवस मनाते हैं। जीवनदायिनी धरती को रहने योग्य बनाने के लिए पेड़ पौधों के जीवन को बचाने और पर्यावरण प्रदूषण के कारकों को कम किया जा सकता है। इस अवसर पर प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय भूपेन्द्र राय, प्रभारी जनपद न्यायाधीश कुशल पाल, नोडल अधिकारी लोक अदालत प्रतिमा, अपर जिला जज गुणेन्द्र प्रकाश, पल्लवी प्रकाश, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट पवन कुमार सिंह व अन्य न्यायिक अधिकारीगण व कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

नारी शक्ति का करें सम्मान, तभी बनेगा देश महान,मिशन शक्ति 5.0 के दूसरे चरण के अंतर्गत महिला सुरक्षा, सम्मान एवं सशक्तिकरण की ओर सशक्त पहल

महिला सुरक्षा, सशक्तिकरण एवं साइबर अपराधों के प्रति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं सशक्तिकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सोनभद्र पुलिस द्वारा मिशन शक्ति 5.0 के दूसरे चरण के अंतर्गत जनपद में व्यापक एवं प्रभावी जनजागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र श्री अभिषेक वर्मा के कुशल निर्देशन में जनपद के समस्त थाना क्षेत्रों में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर समाज के सभी वर्गों को जागरूक किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत महिलाओं एवं बच्चों से संबंधित प्रमुख सामाजिक विषयों–जैसे लिंगानुपात, लैंगिक समानता, बाल विवाह, लैंगिक शोषण, महिलाओं एवं बच्चों के प्रति होने वाली हिंसा, साक्षरता एवं स्वास्थ्य–पर विशेष रूप से प्रकाश डालते हुए जनमानस को जागरूक किया गया। इस क्रम में जनपद के समस्त थानों की मिशन शक्ति टीमों द्वारा विद्यालयों, महाविद्यालयों, कोचिंग संस्थानों, बाजारों एवं ग्राम सभाओं में संवाद कार्यक्रम आयोजित कर महिलाओं एवं बालिकाओं को गुड टच-बैड टच, आत्मरक्षा के उपाय, महिला उत्पीड़न से संबंधित विधिक अधिकारों, तथा विभिन्न हेल्पलाइन सेवाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। साथ ही साइबर अपराधों के बढ़ते खतरे को दृष्टिगत रखते हुए ऑनलाइन फ्रॉड, फर्जी कॉल/लिंक, सोशल मीडिया के दुरुपयोग, बैंकिंग धोखाधड़ी एवं ओटीपी साझा न करने के संबंध में विशेष जागरूकता उत्पन्न की गई। महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबर, 112 - आपातकालीन सेवा, 1090 / 1091 - महिला सुरक्षा हेल्पलाइन 181 - महिला हेल्पलाइन 1930 - साइबर अपराध हेल्पलाइन 1076 - मुख्यमंत्री हेल्पलाइन।

भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ ने किया पौधरोपण स्वच्छ पर्यावरण स्वस्थ जीवन का दिया संदेश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) कौशांबी। 'विश्व पर्यावरण दिवस' के अवसर पर शुक्रवार को भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ की जिला इकाई द्वारा पोस्टमार्टम हाउस परिसर में पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान महासंघ के प्रांतीय प्रभारी सच्चिदानन्द मिश्र के निर्देश पर पदाधिकारियों और सदस्यों सहित स्वास्थ्य कर्मियों ने संयुक्त रूप से बरगद, पीपल और कदम्ब जैसे छायादार व औषधीय पौधे रोपे। साथ ही उपस्थित लोगों को पर्यावरण संरक्षण का संकल्प दिलाया।भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ के उत्तर प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य शमशाद अली ने कहा कि वर्तमान समय में तेजी से बदलते मौसम और बढ़ते तापमान को देखते हुए पौधरोपण बेहद जरूरी हो गया है। विशिष्ट अतिथि प्रयागराज मंडल के महासचिव हिमाचल मौर्य ने कहा कि पौधे लगाना ही काफी नहीं है, बल्कि उनका संरक्षण करना भी हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। कार्यक्रम के संयोजक व जिला अध्यक्ष उमेश चंद्र मिश्र के नेतृत्व में पत्रकारों ने पीएम हाउस में मौजूद मृत आत्माओं के परिजनों से मुलाकात की। उन्होंने परिजनों से अपील करते हुए कहा स्वच्छ पर्यावरण और स्वस्थ जीवन तभी संभव है जब हम संकल्प के साथ पौधे लगाएं। अपनी आने वाली पीढ़ी को शुद्ध वातावरण देने के लिए हर व्यक्ति को अपने जीवन में कम से कम एक वृक्ष जरूर लगाना चाहिए।?इस मौके पर मुख्य रूप से कार्यालय सचिव अरुणेश मिश्र, पत्रकार राहुल कुमार, डॉ. हरिनाथ सिंह, पीएम हाउस अधीक्षक फार्मासिस्ट जय सिंह, फार्मासिस्ट राम सिंह, फार्मासिस्ट सूर्यभान सिंह और कंप्यूटर ऑपरेटर धर्मेंद्र कुमार, कर्मचारी सुनील कुमार, टिंकू भाई कमल कुमार समेत कई अन्य लोग उपस्थित रहे। सभी ने रोपे गए पौधों की देखरेख और उन्हें सुरक्षित रखने का संकल्प लिया।

थाना विण्ढमगंज पुलिस द्वारा हत्या की घटना का मात्र 08 घंटे में सफल अनावरण

प्रेम-प्रसंग के चलते हुई थी हत्या, अभियुक्त गिरफ्तार, आला कत्ल एवं मृतक का मोबाइल फोन बरामद

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में तथा अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) ऋषभ रुणवाल एवं क्षेत्राधिकारी दुद्धी श्री राजेश कुमार राय के पर्यवेक्षण तथा थानाध्यक्ष विण्ढमगंज के कुशल नेतृत्व में थाना विण्ढमगंज पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। थाना विण्ढमगंज पुलिस द्वारा हत्या की एक सनसनीखेज घटना का मात्र 08 घंटे के भीतर सफल अनावरण करते हुए एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया तथा उसकी निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त आला कत्ल, मृतक का मोबाइल फोन एवं घटना के समय पहने गए कपड़े बरामद किए गए हैं। घटना का संक्षिप्त विवरण- दिनांक 04.06.2026 को थाना विण्ढमगंज क्षेत्रान्तर्गत ग्राम जोरूखाड़ में रजनीकान्त पुत्र अश्वनी गोंड, उम्र करीब 24 वर्ष, निवासी ग्राम पतरिया, थाना विण्ढमगंज, जनपद सोनभद्र का शव बरामद हुआ था। घटनास्थल के निकट मृतक की हीरो स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल संख्या यूपी-64 बी-3004 भी खड़ी मिली थी। सूचना प्राप्त होते ही पुलिस द्वारा मौके पर पहुंचकर आवश्यक जांच-पड़ताल, साक्ष्य संकलन एवं घटना के अनावरण हेतु टीमों का गठन क्षेत्राधिकारी दुद्धी श्री राजेश कुमार राय के द्वारा करते हुए समुचित निर्देश देकर घटना के अनावरण हेतु लगया गया। प्राप्त

तहरीर के आधार पर थाना विंढमगंज पर मु0अ0सं0 78/2026, धारा 103(1), 238(ए) बीएनएस पंजीकृत कर विवेचना प्रारम्भ की गई। कृत कार्यवाही- घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस टीम द्वारा तत्काल सुरागरसी-पतारसी, तकनीकी साक्ष्यों के संकलन एवं स्थानीय सूचना तंत्र को सक्रिय किया गया। पुलिस टीम के अथक प्रयासों एवं प्रभावी कार्यवाही के परिणामस्वरूप घटना के मात्र 08 घंटे के भीतर दिनांक 04.06.2026 को समय 20:29 बजे मुखबिर की सूचना पर टहानिया खोली स्थित सुनील प्रजापति के खाली मकान के पास से अभियुक्त दिनेश पुत्र जीत सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ का विवरण- पूछताछ में अभियुक्त दिनेश कुमार ने बताया कि उसे मृतक रजनीकान्त का उसकी पत्नी के साथ प्रेम-प्रसंग होने की जानकारी थी, जिसके कारण वह उससे रंजिश रखता था। इसी रंजिशवश वह मृतक को बहाने से अपने साथ जंगल की ओर ले गया और घटना में प्रयुक्त चापड़ से उसकी हत्या कर दी। घटना के उपरान्त उसने मृतक का मोबाइल फोन, आला कत्ल (चापड़) तथा अपने पहने हुए कपड़ों को झाड़ियों में छिपा दिया था। अभियुक्त की निशानदेही पर उक्त सामान को बरामद कर लिया गया है। प्रकरण में अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जा रही है। गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण-दिनेश पुत्र जीत सिंह, उम्र करीब 24 वर्ष, निवासी ग्राम केवाल, थाना विण्ढमगंज, जनपद सोनभद्र। बरामदगी का विवरण-एक अदद आला कत्ल (चापड़)। मृतक का एक अदद वन प्लस मोबाइल फोन। अभियुक्त का लोवर एवं शर्ट। गिरफ्तार/अनावरण करने वाली पुलिस टीम- 1. थानाध्यक्ष श्री संतोष कुमार सिंह, थाना विण्ढ़मगंज, जनपद सोनभद्र। 2. हे0का0 सुरेन्द्र प्रजापति, थाना विण्ढमगंज, जनपद सोनभद्र। 3. का0 सुनील कुमार, थाना विण्ढमगंज, जनपद सोनभद्र। 4. का0 आलोक कुमार, थाना विण्ढमगंज, जनपद सोनभद्र।

शाहगंज बाजार में जलभराव की समस्या के स्थायी समाधान हेतु जिलाधिकारी ने किया स्थलीय निरीक्षण

जल निकासी नाली निर्माण का शीघ्र तैयार होगा एस्टीमेट

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ ने आज घोरावल तहसील क्षेत्र के शाहगंज बाजार में जलभराव

की समस्या के निराकरण हेतु अधिकारियों के साथ स्थल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने बाजार क्षेत्र में जल निकासी की वर्तमान स्थिति का जायजा लिया तथा समस्या के स्थायी समाधान के लिए आवश्यक निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने जिला पंचायत राज अधिकारी को निर्देशित किया कि शाहगंज बाजार में जलभराव की समस्या के समाधान हेतु समुचित जल निकासी नाली निर्माण का विस्तृत एस्टीमेट शीघ्र तैयार कराया जाए। उन्होंने कहा कि जल निकासी की व्यवस्था इस प्रकार सुनिश्चित की जाए कि पानी का प्रवाह नहर की ओर हो सके, जिससे बाजार एवं आसपास के क्षेत्र में जलभराव की समस्या से स्थायी राहत मिल सके।जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही में तेजी लाने तथा प्रस्ताव जल्द से जल्द तैयार कर प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी, जिला विकास अधिकारी श्री हेमंत कुमार सिंह, जिला पंचायत राज अधिकारी श्री नामित शरण, अपर जिला सूचना अधिकारी श्री विनय कुमार सिंह सहित अन्य अधिकारी, कर्मचारी एवं स्थानीय बाजारवासी उपस्थित रहे।

श्रमिकों के हितों से कोई समझौता नहीं, योजनाओं का लाभ हर पात्र श्रमिक तक पहुंचे- जिलाधिकारी

जिला स्तरीय श्रम बंधु की बैठक में निर्माण श्रमिक पंजीकरण, उपकर वसूली एवं श्रमिक कल्याण योजनाओं की हुई समीक्षा

जिलाधिकारी चर्चित गौड़ की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट के एनआईसी में जिला स्तरीय श्रम बंधु की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में श्रमिक कल्याण, श्रम कानूनों के प्रभावी अनुपालन, निर्माण श्रमिकों के पंजीकरण, उपकर संग्रहण, असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों की सामाजिक सुरक्षा तथा श्रमिक सुविधा केंद्रों की स्थापना से संबंधित विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि श्रमिक समाज और अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। शासन की मंशा के अनुरूप प्रत्येक पात्र श्रमिक तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना तथा उनके अधिकारों की रक्षा करना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि श्रमिकों से जुड़े सभी मामलों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। बैठक में श्रम विभाग द्वारा बताया गया कि जिला स्तरीय श्रम बंधु का गठन श्रमिकों एवं सेवायोजकों के मध्य बेहतर समन्वय स्थापित करने, औद्योगिक संबंधों को मजबूत बनाने तथा श्रम कानूनों के प्रभावी प्रवर्तन के उद्देश्य से किया गया है। यह मंच श्रमिकों एवं नियोजकों के मध्य उत्पन्न होने वाले विवादों के सौहार्दपूर्ण समाधान का भी महत्वपूर्ण माध्यम है। समीक्षा के दौरान अवगत कराया गया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में अधिष्ठान पंजीयन हेतु निर्धारित 362 के लक्ष्य के सापेक्ष 302 अधिष्ठानों का पंजीयन कराया गया। वहीं वित्तीय वर्ष 2026-27 में लक्ष्य आवंटित न होने के बावजूद अब तक 32 नए अधिष्ठानों का पंजीयन किया जा चुका है। जनपद में वर्तमान समय में 1 लाख 70 हजार 704 निर्माण श्रमिक पंजीकृत हैं, जिन्हें विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित किया जा रहा है। भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण उपकर अधिनियम के अंतर्गत उपकर वसूली की समीक्षा करते हुए बताया गया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में 21.71 करोड़ रुपये के लक्ष्य के सापेक्ष 16.26 करोड़ रुपये से अधिक की उपकर राशि जमा कराई गई। वहीं चालू वित्तीय वर्ष में अब तक 40.82 लाख रुपये का उपकर संग्रहण किया जा चुका है। बैठक में असंगठित कर्मकार सामाजिक सुरक्षा अधिनियम के अंतर्गत ई-श्रम पोर्टल पर अधिकाधिक पात्र श्रमिकों के पंजीकरण पर बल दिया गया। साथ ही विभिन्न सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के लाभ पात्र लाभार्थियों तक पहुंचाने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने डॉ. भीमराव अम्बेडकर श्रमिक सुविधा केंद्र (लेबर अड्डा) योजना की समीक्षा करते हुए सभी उप जिलाधिकारियों को निर्देशित किया कि भूमि चिन्हांकन एवं अन्य औपचारिकताओं को शीघ्र पूर्ण कर प्रस्तावित श्रमिक सुविधा केंद्रों की स्थापना की कार्यवाही में तेजी लाई जाए। बैठक के दौरान इंटक के जिला अध्यक्ष श्री हरदेव नारायण तिवारी ने दुकानों एवं प्रतिष्ठानों में कार्यरत श्रमिकों को पहचान पत्र उपलब्ध कराने, ओवरटाइम भुगतान सुनिश्चित कराने तथा सीमेंट उद्योगों में कार्यरत श्रमिकों को नियमानुसार न्यूनतम वेतन दिलाने का मुद्दा उठाया। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को प्रकरणों का परीक्षण कर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में श्रमिक कल्याण एवं सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष जोर दिया गया तथा सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए श्रमिक हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए गए।

सोनभद्र में एक तेंदुआ सफारी व एक कृषि वानिकी विश्वविद्यालय खनन निधि से बने- संदीप मिश्र

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। आज जनपद के समस्त

परिवारि जनो को पर्यावरण दिवश की हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं देते हुए पर्यावरण संरक्षण का अदभुत कार्यक्रम किसान नौज संघर्ष मोर्चा ने कलेट्रेट पर किया जहां पर सैकड़ों कार्यकर्ता हाथों में आम का पेड़ लेकर उसे लगाने व बचाने का मोर्चा संयोजक के साथ संकल्प लिए साथ ही मोर्चा संयोजक ने मुख्यमन्त्री जी?को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सोनभद्र में जो अडानी ग्रुप को विन्ध्य पर्वत दिया गया है उस पर रोक लगायी जाय साथ ही यहाँ के खनीज सम्पदा के दोहन से प्राप्त खनन निधि की बन्दर बाट न करके उससे एक तेंदुआ सफारी बनायी जाय जिससे पर्यटन बढ़ेगा रोगार सृजन होगा नौजवान को काम मिलेगा तथा एक कृषि वानिकी विश्वविद्यालय बनाया जाय जिससे किसानों में खुसहाली आयेगी एक पत्र इस बिषय पर मुख्यमन्त्री जी को सम्बोधित एडिएम को दिया गया आज के कार्यक्रम में विन्दू खरवार मुखलाल चेरो आकाश चौहान दिनेश चेरो राजेस पनिका सन्जय बियार धीरज कनौजिया अमन पासवान सम्भु हरिजन नगेन्द्र धागर विकास पटेल राजू मौर्य दिनेश यादव प्रमोद तिर्की राजू पासवान व सोभावती बिन्द पिन्की बियार बासमती चेरो व सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे

वृहद पौधरोपण के साथ 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान की शुरुआत,जनपद में एक करोड़ 61 लाख से अधिक पौधे लगाने का है लक्ष्य मिशन छाया के तहत सड़क के दोनों ओर लगाए जाएंगे छायादार पौधे

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की हरित आवरण

बढ़ाने को लेकर शुरू की गई पहल के तहत शुक्रवार को जनपद में वृहद स्तर पर पौधरोपण के साथ एक पेड़ मां के नाम अभियान की शुरुआत हुई। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शुरू किए गए इस अभियान के तहत जनपद के विभिन्न स्थलों पर वृहद स्तर पर पोधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। पौधारोपण महाअभियान के अंतर्गत विकास खण्ड घोरावल के तिलौली कला में आयोजित कार्यक्रम में विधायक घोरावल डॉ. अनिल कुमार मौर्य, जिलाधिकारी चर्चित गौड़ व मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी सहित अन्य जनपद स्तरीय अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इसके अतिरिक्त विधायक सदर भूपेश चौबे, ब्लॉक प्रमुखगण, जनप्रतिनिधिगण तथा बड़ी संख्या में आमजन ने भी जनपद के विभिन्न स्थानों पर पौधरोपण कर अभियान में सहभागिता की।इस अवसर पर उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने पर्यावरण संरक्षण, हरित आवरण बढ़ाने तथा आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ एवं सुरक्षित पर्यावरण सुनिश्चित करने का संदेश दिया। उन्होंने जनपदवासियों से अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ एवं सुरक्षित पर्यावरण सुनिश्चित करने का संकल्प लेने का आह्वान किया।जनपद में पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन का स्वरूप प्रदान करने के उद्देश्य से विभिन्न विभागों, ग्राम पंचायतों, शैक्षणिक संस्थानों एवं सामाजिक संगठनों के सहयोग से व्यापक स्तर पर वृक्षारोपण अभियान संचालित किया गया। कार्यक्रम के दौरान लोगों ने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के अंतर्गत पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। गौरतलब है कि पौधारोपण महाअभियान के तहत जिले में 1,61,69,686 पौधे रोपने का लक्ष्य रखा गया है। जिसमें 10, 21, 8000 लाख पौधों का रोपण वन विभाग द्वारा किया जाएगा, शेष 5,951,686 लाख पौधों का रोपण 22 अन्य विभागों द्वारा किया जाएगा। पौधारोपण के महा अभियान के तहत सड़कों को छायादार बनाने के लिए भी सड़कों के दोनों तरफ अधिक से अधिक पौधे लगाए जाएंगे।

विश्व पर्यावरण दिवस पर ''एक पेड़ माँ के नाम'' अभियान का शुभारम्भ, जनपद में हुआ वृहद वृक्षारोपण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। केन्द्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 05

जून से 21 जून 2026 तक आयोजित समेकित जनकल्याण एवं जनजागरूकता अभियान के अंतर्गत विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जनपद सोनभद्र में ''एक पेड़ माँ के नाम'' अभियान का शुभारम्भ किया गया। इस अवसर पर जनपद के विभिन्न स्थलों पर वृहद स्तर पर वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। पौधारोपण महाअभियान के अंतर्गत विकास खण्ड घोरावल के तिलौली कला में आयोजित कार्यक्रम में मा0 विधायक घोरावल डॉ0 अनिल कुमार मौर्य, जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़, मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी सहित अन्य जनपद स्तरीय अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इसके अतिरिक्त मा0 विधायक सदर श्री भूपेश चौबे, ब्लॉक प्रमुखगण, जनप्रतिनिधिगण तथा बड़ी संख्या में आमजन ने भी जनपद के विभिन्न स्थानों पर पौधरोपण कर अभियान में सहभागिता की। इस अवसर पर उपस्थित समेकित जनकल्याण एवं जनजागरूकता अभियान के अंतर्गत विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जनपद सोनभद्र में ''एक पेड़ माँ के नाम'' अभियान का शुभारम्भ किया गया। इस अवसर पर जनपद के विभिन्न स्थलों पर वृहद स्तर पर वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। पौधारोपण महाअभियान के अंतर्गत विकास खण्ड घोरावल के तिलौली कला में आयोजित कार्यक्रम में मा0 विधायक घोरावल डॉ0 अनिल कुमार मौर्य, जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़, मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी सहित अन्य जनपद स्तरीय अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इसके अतिरिक्त मा0 विधायक सदर श्री भूपेश चौबे, ब्लॉक प्रमुखगण, जनप्रतिनिधिगण तथा बड़ी संख्या में आमजन ने भी जनपद के विभिन्न स्थानों पर पौधरोपण कर अभियान में सहभागिता की। इस अवसर पर उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने पर्यावरण संरक्षण, हरित आवरण बढ़ाने तथा आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ एवं सुरक्षित पर्यावरण सुनिश्चित करने का संदेश दिया। उन्होंने जनपदवासियों से अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा उनके संरक्षण का संकल्प लेने का आह्वान किया। जनपद में पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन का स्वरूप प्रदान करने के उद्देश्य से विभिन्न विभागों, ग्राम पंचायतों, शैक्षणिक संस्थानों एवं सामाजिक संगठनों के सहयोग से व्यापक स्तर पर वृक्षारोपण अभियान संचालित किया गया। कार्यक्रम के दौरान लोगों ने ''एक पेड़ माँ के नाम'' अभियान के अंतर्गत पौधरोपण किया गया है।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जनपद न्यायालय परिसर में वन विभाग के सहयोग से वृक्षारोपण किया गया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ की कार्ययोजना वर्ष 2026-2027 के क्रियान्वयन के क्रम में श्री राम सुजीन सिंह, माननीय जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, द्वारा आज दिनांकः 05.06.2026 को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जनपद न्यायालय परिसर, सोनभद्र में वृक्षारोपण किया गया। वृक्षारोपण के दौरान श्री संदीप गुप्ता-घ अपर जनपद न्यायाधीश/सत्र न्यायाधीश, सोनभद्र, श्री गोविन्द मोहन, विशेष न्यायाधीश /एस.सी.एस.टी. एक्ट, सोनभद्र, श्री राहुल, सिविल जज, सी0डि0/सचिव(पूर्णकालिक), जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सोनभद्र, सुश्री अनामिका गौतम, क्षेत्रिय वनाधिकारी, राबर्ट्सगंज सोनभद्र तथा अन्य स्टॉफ एवं अधिवक्तागण उपस्थित रहें। इस मौके पर माननीय जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, द्वारा उपस्थित लोगो को बताया गया कि समय की आवश्यकता को देखते हुए हमें अपने

व्यवहार में परिवर्तन लाना होगा। हम पेड़.पौधे के बिना अपने जीवन का कल्पना नहीं कर सकते। यह प्रत्येक नागरिक की नैतिक जिम्मेदारी है कि वह पारिस्थितिकी तंत्र को बनाए रखने एवं मानव अस्तित्व को बनाए रखने के लिए अपने आसपास अधिक से अधिक वृक्षारोपण करें ताकि शुद्ध हवा मिल सके। माननीय महोदय ने कहा कि इस वर्ष 2026 विश्व पर्यावरण दिवस की थीम 'Solutions to Plastic pollution' अर्थात् 'प्लास्टिक प्रदूषण के समाधान', इस थीम का उद्देश्य है प्लास्टिक प्रदूषण को कम करने के लिए बेहतर कदम उठाना और पर्यावरण को प्लास्टिक मुक्त बनाना क्योंकि प्लास्टिक पर्यावरण के साथ- साथ जीव जंतुओं और मनुष्य को बहुत नुकसान पहुंचाता है। इसके उपयोग से न केवल पर्यावरण पर प्रभाव पड़ता है बल्कि अनेक प्रकार की बिमारियां उत्पन्न होती है। यह थीम प्लास्टिक को कम करनेएप्लास्टिक की रिसाईकल करने और प्लास्टिक को खत्म करने आदि समाधान पर जोर देती है तथा विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर वन विभाग के सहयोग से जनपद न्यायालय परिसर में आम का पेड़ लगाया गया तथा वृक्षों के सुरक्षा के बारे में सभी को बताया गया तथा सभी लोगो को बरसात के मौसम में अधिक पेड़ पौधे लगाने का संकल्प दिलाया गया।

मा0 मंत्री मनोज कुमार पाण्डेय ने विश्व पर्यावरण दिवस पर वृक्षारोपण अभियान का किया शुभारंभ

वृक्ष न केवल पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ एवं स्वस्थ जीवन का आधार भी हैं - डॉ0 मनोज पाण्डेय,यह अभियान भावनात्मक जुड़ाव के साथ-साथ समाज में पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी की भावना को भी मजबूत करता है - मा0 मंत्री

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। मा0 मंत्री खाद्य एवं रसद तथा नागरिक आपूर्ति विभाग उ0प्र0 सरकार डॉ0 मनोज कुमार पाण्डेय ने आज विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जनपद के विकास खण्ड राही अंतर्गत ग्राम कटिहार (पोस्ट भाव) में 'एक पेड़ मां के नाम' थीम के तहत वृक्षारोपण कर वृहद वृक्षारोपण अभियान का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने अपनी माताजी के नाम एक पौधा रोपित कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। मा0 मंत्री ने कहा कि देश में आज मा0 प्रधानमंत्री जी के आहवान पर ''एक पेड़ माँ के नाम'' अभियान का शुभारम्भ हुआ है, जिसका आज मुझे शुभ अवसर मिला है और मैने अपनी माँ के नाम एक पेड़ लगाकर जनपद में वृक्षारोपण कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। मै लोगों से आहवान करता हूँ अपने जनपद के लोगों से अपने क्षेत्र के लोगों से कि इस दिन को यादगार बनाये और अधिक से अधिक वृक्षारोपण करें। अपनी माँ के नाम पौध रोपण कर उनकी नियमित देखभाल करें यह हमारा अपनी माँ के प्रति सम्मान होगा। मा0 मंत्री ने उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि वृक्ष न केवल पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ एवं स्वस्थ जीवन का आधार भी हैं। उन्होंने कहा कि 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान भावनात्मक जुड़ाव के साथ-साथ समाज में पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी की भावना को भी मजबूत करता है। उन्होंने सभी नागरिकों से अपील की कि वे अधिक से अधिक वृक्षारोपण करें तथा लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल सुनिश्चित करें, ताकि वे विकसित होकर पर्यावरण संरक्षण में योगदान दे सकें। मा0 मंत्री ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक दिन का कार्य नहीं, बल्कि यह निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है जिसमें प्रत्येक व्यक्ति की सहभागिता आवश्यक है। डीएफओ प्रखर मिश्र ने बताया कि विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में जनपद में वृहद वृक्षारोपण कराये जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है जिसके अन्तर्गत आज जनपद के विभिन्न स्थानों पर लगभग 8 लाख पौधे रोपित कराये जायेंगे। इस अवसर पर जिला पूर्ति अधिकारी उबैर्दुरहमान, जिला युवा अधिकारी वर्तिका सिंह सहित सम्बन्धित अधिकारी/कर्मचारी व एनसीसी के छात्र/छात्राए तथा क्षेत्रीय निवासी उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया।

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE
कौशलं बलम्
NAINI ALLAHABAD
(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)
सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी
फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड
कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।
Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480
Enjoy Publicity

बीसीसीआई विदेशी लीग खेलने वाले रिटायर्ड खिलाड़ियों पर बनाएगी नीति,मालदीव और फिजी की मदद पर भी चर्चा

नयी दिल्ली। बीसीसीआई विदेशी टी-20 लीगों में खेलने के

लिए इंटरनेशनल और घरेलू क्रिकेट से संन्यास लेने वाले भारतीय खिलाड़ियों को रोकने के लिए एक नई रिटायरमेंट नीति तैयार करने जा रहा है। आज होने वाली एपेक्स काउंसिल की ऑनलाइन बैठक में इस नीति के साथ-साथ मालदीव और फिजी क्रिकेट बोर्ड की मदद पर चर्चा होगी। इस बैठक के एजेंडे में भारतीय टी-20 टीम की कप्तानी का मुद्दा शामिल नहीं है। विजय शंकर के संन्यास के बाद बीसीसीआई सख्त भारतीय क्रिकेटर्स में विदेशी टी-20 लीगों में खेलने के लिए समय से पहले इंटरनेशनल या डोमेस्टिक क्रिकेट से संन्यास लेने का चलन लगातार बढ़ रहा है। हाल ही में ऑलराउंडर विजय शंकर ने भारतीय क्रिकेट से अपने संन्यास की घोषणा की थी। संन्यास लेने के तुरंत बाद उन्होंने खुद को लंका प्रीमियर लीग (एलपीएल) के लिए उपलब्ध कराया, जहां उन्हें कैंडी रॉयल्स ने साल 2026 सीजन के लिए साइन कर लिया है। इसी घटना के बाद बीसीसीआई इस मामले को लेकर गंभीर हुआ है। इन 5 खिलाड़ियों ने भी अपनाया है यही रास्ता विजय शंकर से पहले भी कई भारतीय खिलाड़ी विदेशी लीगों में हिस्सा लेने के लिए भारतीय क्रिकेट को अलविदा कह चुके हैं। इस लिस्ट में दिनेश कार्तिक, युवराज सिंह, उन्मुक्त चंद, प्रविण तांबे और इरफान पठान शामिल हैं। इन सभी खिलाड़ियों ने विदेशी लीगों में खेलने के योग्य होने के लिए भारतीय क्रिकेट से संन्यास का रास्ता चुना था। क्या है बीसीसीआई की वर्तमान पॉलिसी? बीसीसीआई की मौजूदा नीति के अनुसार, कोई भी एक्टिव भारतीय क्रिकेटर किसी भी विदेशी लीग में हिस्सा नहीं ले सकता है। इस नियम के दायरे में इंटरनेशनल खिलाड़ी, डोमेस्टिक क्रिकेट खेलने वाले खिलाड़ी और आईपीएल के खिलाड़ी शामिल हैं। मालदीव और फिजी क्रिकेट बोर्ड की मदद पर विचार खिलाड़ियों के संन्यास के मुद्दे के अलावा, बीसीसीआई इस बैठक में दो इंटरनेशनल क्रिकेट बोर्ड्स की मदद पर भी विचार करेगा। बोर्ड के अधिकारी क्रिकेट बोर्ड ऑफ मालदीव और क्रिकेट फिजी की ओर से आए सहायता के अनुरोधों पर चर्चा करेंगे। बैठक में इस बात की चर्चा की जाएगी कि इन दोनों बोर्डों को किस तरह का सहयोग दिया जा सकता है।

ऐसी गर्मियों में घर से सावधानी से निकले-ये चीजें साथ रखें,11 सावधानियां/9 संकेतों को इग्नोर न करें

नयी दिल्ली। नौतपा के 9 दिन साल के सबसे गर्म दिन माने जाते हैं। इस दौरान तापमान 40-45 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है। इस समय घर से बाहर

निकलना रिस्की होता है। बहुत से लोगों को रोजमर्रा के काम, ऑफिस या जरूरी जिम्मेदारियों के कारण बाहर निकलना मजबूरी होती है। लेकिन इस दौरान जरा-सी लापरवाही से डीहाइड्रेशन, हीट स्ट्रोक, थकान, कमजोरी और चक्कर जैसी समस्याएं हो सकती हैं। हालांकि सही प्लानिंग, सतर्कता और हेल्दी आदतें अपनाकर नौतपा के असर को काफी हद तक कम किया जा सकता है। इसलिए 'जरूरत की खबर' में आज हम बात करेंगे कि नौतपा में बाहर निकलते समय किन बातों का ध्यान रखें। साथ ही जानेंगे कि-नौतपा में घर से निकलते वक्त कौन-सी चीजें साथ रखें? नौतपा में खुद को हाइड्रेटेड कैसे रखें। साथ ही विषय को समझेंगे एक्सपर्टः डॉ. अरविंद अग्रवाल, डायरेक्टर, इंटरनल मेडिसिन, श्री बालाजी एक्शन मेडिकल इंस्टीट्यूट, दिल्ली जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से-

सवाल- नौतपा में गर्मी क्यों बढ़ जाती है? जवाब- मई के आखिरी सप्ताह में सूर्य की किरणें भारत के बड़े हिस्से पर लगभग सीधी पड़ती हैं। इससे जमीन तेजी से गर्म होती है और तापमान बढ़ जाता है। इस समय आमतौर पर बादल कम होते हैं। इसलिए सूर्य की गर्मी सीधे धरती तक पहुंचती है। दिन लंबा होने से जमीन को ज्यादा देर तक गर्मी मिलती है। इससे आसपास की हवा भी गर्म हो जाती है और लू चलने लगती है। इसी कारण नौतपा के दौरान कई जगह तापमान 45 डिग्री सेल्सियस या उससे ज्यादा तक पहुंच जाता है। सवाल- नौतपा में घर से बाहर निकलते हुए कौन-सी चीजें जरूर साथ रखें? जवाब- नौतपा की तेज गर्मी और लू से बचने के लिए बाहर निकलते समय कुछ जरूरी चीजें साथ रखें, ताकि शरीर हाइड्रेट रहे और धूप का असर कम हो। नौतपा के दौरान बाहर निकलते समय सावधानी रखना बेहद जरूरी है, क्योंकि तेज धूप और लू शरीर पर जल्दी असर डालती है। सही समय, सही तैयारी और थोड़ी सतर्कता हमें बड़ी समस्याओं से बचा सकती है। सवाल- नौतपा में घर से बाहर निकलने का सेफ समय क्या है? किस समय निकलने से बचना चाहिए? जवाब- नौतपा के दौरान सुबह 6 से 10 बजे और शाम 5 बजे के बाद बाहर निकलना सुरक्षित माना जाता है, क्योंकि इस समय धूप कम होती है। वहीं दोपहर 12 से 4 बजे के बीच बाहर निकलने से बचना चाहिए, क्योंकि इस दौरान तापमान सबसे ज्यादा होता है और लू का रिस्क बढ़ जाता है। सवाल- नौतपा में बाइक पर या पैदल चलने वालों को क्या सावधानियां बरतनी चाहिए? जवाब- बाइक राइडर्स और पैदल चलने वालों के लिए नौतपा के दौरान बाहर निकलना ज्यादा रिस्की होता है। इसलिए इन बातों का ध्यान रखें- पैदल चलने वालों के लिए- धूप के पीक टाइम (सुबह 12 से शाम 4 बजे) में बाहर निकलने से बचें। निकलें तो सिर को गमछा, टोपी या छाते से ढककर रखें। हल्के रंग के ढीले कपड़े पहनें। पानी की बोतल हमेशा साथ रखें। हर 20-30 मिनट में थोड़ा-थोड़ा पीते रहें। लंबी दूरी हो तो बीच-बीच में छांव में आराम करें। खाली पेट घर से न निकलें। बाइक चलाने वालों के लिए- हेलमेट के अंदर कॉटन कैप/कपड़ा लगाएं ताकि सिर ज्यादा गर्म न हो। फुल स्लीव कपड़े पहनें, ताकि शरीर सीधे धूप से बचा रहे। ग्लव्स और सनग्लासेस का इस्तेमाल करें। लंबी दूरी में हर 30-40 मिनट पर ब्रेक लें और पानी पिएं। बाइक को सीधे धूप में ज्यादा देर खड़ी न करें (सीट बहुत गर्म हो जाती है)। ज्यादा ट्रैफिक और जाम वाले रास्तों से बचें। कॉमन सावधानियां-ओआरएस, नींबू पानी या छाछ जैसे ड्रिंक्स लेते रहें। चक्कर, कमजोरी या सिरदर्द महसूस हो तो तुरंत रुक जाएं। शरीर को ओवरहीट होने से बचाना सबसे जरूरी है। नौतपा के दौरान कुछ शारीरिक संकेतों को नजरअंदाज करना खतरनाक हो सकता है। ये हीट एग्जॉशन या हीट स्ट्रोक की संकेत हो सकते हैं। भीषण गर्मी में पसीने के जरिए शरीर से पानी और जरूरी मिनरल्स निकलते हैं। इसलिए सिर्फ पानी नहीं, इलेक्ट्रोलाइट्स लेना भी जरूरी है। सवाल- नौतपा में बच्चों, बुजुर्गों का ख्याल कैसे रखें? जवाब- नौतपा की तेज गर्मी में बच्चों और बुजुर्गों का शरीर तापमान को जल्दी संतुलित नहीं कर पाता। ऐसे में उनके लिए अतिरिक्त सावधानी जरूरी है- बच्चों का ख्याल कैसे रखें- खेलने का समय सुबह या शाम तक सीमित रखें। घर के अंदर का माहौल ठंडा और हवादार रखें।

अफगानिस्तान टेस्ट के लिए भारत की संभावित-11

पडिक्कल को मिल सकता है मौका; हर्ष दुबे या मानव सुथार कर सकते हैं डेब्यू

नयी दिल्ली। भारत और अफगानिस्तान के बीच एकमात्र टेस्ट मैच 6 जून से न्यू चंडीगढ़ में खेला जाएगा। भारतीय टीम करीब 6 महीने बाद कोई टेस्ट मैच खेलने उतरेगी। इस मैच में भारत से दो खिलाड़ी डेब्यू कर सकते हैं। वहीं, नंबर-3 बल्लेबाज और तीसरे स्पिनर को लेकर कप्तान शुभमन गिल के सामने कुछ बड़े सवाल भी हैं। स्टोरी में आगे जानेंगे कि इस टेस्ट मैच में भारत की प्लेइंग-11 क्या हो सकती है। यशस्वी जायसवाल और उप कप्तान केएल राहुल पारी की शुरुआत करते दिखेंगे। राहुल ने इंग्लैंड के खिलाफ पिछले साल 5 मैचों में 539 रन बनाए थे। उनका हालिया फॉर्म भी शानदार रहा है। इस सीजन के आईपीएल में उन्होंने दिल्ली कैपिटल्स के लिए 593 रन बनाए थे। दूसरी ओर, जायसवाल ने राजस्थान रॉयल्स के लिए 427 रन बनाए। उन्होंने सीजन के दौरान कुछ मैचों में टीम की कप्तानी भी की थी। पडिक्कल को मिल सकता है मौका-नंबर-3 के लिए साई सुदर्शन और देवदत्त पडिक्कल के बीच मुकाबला है। हालांकि टीम के हालिया नेट्स सेशन और डोमेस्टिक क्रिकेट में प्रदर्शन को देखते हुए पडिक्कल का खेलना तय माना जा रहा है। कर्नाटक के कप्तान पडिक्कल ने पिछले रणजी सीजन में 5 मैचों में 532 रन बनाए थे, जिसमें उत्तराखंड के खिलाफ 232 रन की पारी भी शामिल थी। दूसरी ओर, आईपीएल 2026 में 722 रन बनाने वाले साई सुदर्शन टेस्ट क्रिकेट में अभी तक खुद को पूरी तरह साबित नहीं कर सके हैं। उन्होंने 6 टेस्ट में 302 रन बनाए हैं। कप्तान शुभमन गिल नंबर-4 पर बल्लेबाजी करेंगे। पंत पर रहेंगी

नजरें-ऋषभ पंत नंबर-5 पर बल्लेबाजी करेंगे। पंत के लिए आईपीएल 2026 उनके करियर के सबसे खराब सीजन में से एक रहा। उन्होंने लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए 312 रन बनाए। खराब प्रदर्शन के बाद उनसे टेस्ट टीम की उप-कप्तानी भी वापस ले ली गई और यह जिम्मेदारी केएल राहुल को सौंप दी गई। हालांकि टेस्ट क्रिकेट में पंत का रिकॉर्ड अब भी शानदार है। 2018 में डेब्यू के बाद से भारत के लिए किसी भी बल्लेबाज ने उनसे ज्यादा टेस्ट रन नहीं बनाए हैं। पिछले साल इंग्लैंड दौरे पर उन्होंने 68.43 की औसत से 479 रन बनाए थे और इसी प्रदर्शन के दम पर उन्हें विजडन के फाइव क्रिकेटर्स ऑफ द ईयर में चुना गया था। वॉशिंगटन सुंदर और नीतीश कुमार रेड्डी टीम के दो प्रमुख ऑलराउंडर होंगे। सुंदर ने पिछली टेस्ट सीरीज में साउथ अफ्रीका के खिलाफ नंबर-3 पर बल्लेबाजी भी की थी। वहीं, नीतीश कुमार रेड्डी लगातार अपनी गेंदबाजी में सुधार कर रहे हैं। आईपीएल 2026 में उन्होंने 135 किमी प्रति घंटे से ज्यादा की रफ्तार से गेंदबाजी की। उनकी मौजूदगी टीम को अतिरिक्त तेज गेंदबाजी विकल्प भी देगी। रवींद्र जडेजा और अक्षर पटेल को आराम दिए जाने के बाद भारत को लेफ्ट आर्म स्पिन ऑलराउंडर की तलाश है। विदर्भ के हर्ष दुबे और राजस्थान के मानव सुथार में से किसी एक को टेस्ट डेब्यू का मौका मिल सकता है। हर्ष दुबे ने रणजी ट्रॉफी 2024-25 में सबसे ज्यादा 69 विकेट लेकर विदर्भ को चैंपियन बनाया था। वहीं, मानव सुथार लंबे समय से इंडिया-ए का हिस्सा रहे हैं। टीम के असिस्टेंट कोच रयान टेन डोशेट ने भी बताया है कि दुबे या सुथार में से एक खिलाड़ी प्लेइंग-11 का हिस्सा बन सकता है। जसप्रीत बुमराह को आराम दिए जाने के कारण सिराज पेस बॉलर्स को लीड करेंगे। दूसरे तेज गेंदबाज के तौर पर प्रसिद्ध कृष्णा मजबूत दावेदार हैं, लेकिन पंजाब के गुरनूर बरार भी रेस में बने हुए हैं।

क्यों होती है नोज ब्लीडिंग,गर्मी में बढ़ता रिस्क, समझें नाक से खून आए तो क्या करें, क्या गलतियां न करें

नयी दिल्ली। गर्मियों में टेम्परेचर हाई होने से हवा रूखी हो जाती है। इससे सांस लेते समय नाक की म्यूकस लेयर

इरिटेट होने लगती है। इसके कारण ब्लड वेसल्स फटने से कभी-कभार नाक से ब्लड आ सकता है। इसे हिंदी में नकसीर (नोज ब्लीड) और मेडिसिन की भाषा में 'एपिस्टैक्सिस' कहा जाता है। शरीर में पानी की कमी यानी डिहाइड्रेशन से नाक की नाजुक ब्लड वेसल्स ड्राई होकर फट सकती हैं। इससे अचानक ब्लीडिंग शुरू हो सकती है। 'नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन' के मुताबिक, दुनिया में लगभग 60फीसदी लोग जीवन में कभी-न-कभी नाक से खून आने की समस्या का सामना करते हैं। ज्यादातर मामलों में यह स्थिति मामूली होती है, लेकिन कुछ मामलों में ये किसी गंभीर समस्या का संकेत भी हो सकता है। इसलिए 'फिजिकल हेल्थ' में आज हम 'नोज ब्लीड' की बात करेंगे। साथ ही जानेंगे- नोज ब्लीड क्यों होता है? नाक से खून आने पर तुरंत क्या करें? किन लोगों को ज्यादा रिस्क होता है? सवाल- नोज ब्लीड क्या है? जवाब- इसमें नाक के अंदर की नाजुक ब्लड वेसल्स फटने से खून आने लगता है। यह आमतौर पर दोनों नॉस्ट्रिल्स (नथुनों) में से किसी से भी हो सकता है। यह ज्यादातर मामलों में गंभीर नहीं होता है। सवाल- नोज ब्लीड क्यों होता है? जवाब- यह आमतौर पर ड्राई एयर से म्यूकस के इरिटेट होने और डिहाइड्रेशन के कारण होता है। अब इन कारणों को विस्तार से समझते हैं- तेज धूप, ड्राई और गर्म हवा गर्मियों में हवा का मॉइश्चर लेवल कम हो जाता है।इससे नाक की अंदरूनी लेयर सूख जाती है। इससे नाक की नाजुक ब्लड वेसल्स फट सकती हैं और नाक से खून आ सकता है। डिहाइड्रेशन (शरीर में पानी की कमी) शरीर में पानी की कमी होने पर नाक की अंदरूनी लेयर सूख जाती है। इससे नाक की नाजुक ब्लड वेसल्स को सपोर्ट नहीं मिलता है। कमजोर होने से ब्लड वेसल्स फट सकती हैं और नाक से खून आ सकता है। नाक में उंगली डालना नाक में उंगली या कोई चीज डालने से अंदर की स्किन में खरोंच आ सकती है।इससे नाक से खून आ सकता है। बच्चों की अंदरूनी लेयर नाजुक होने से उन्हें ज्यादा रिस्क होता है। एलर्जी या सर्दी-जुकाम एलर्जी, सर्दी या साइनस में नाक बहने से अंदरूनी लेयर कमजोर हो जाती है। इससे ब्लीडिंग का रिस्क बढ़ जाता है। चोट लगना-नाक या चेहरे पर चोट लगने से अंदर की ब्लड वेसल्स डैमेज हो सकती हैं। इससे तुरंत या कुछ समय बाद खून आ सकता है। नेजल स्प्रे का ज्यादा उपयोग लंबे समय तक एंटीहिस्टामिन नेजल स्प्रे का यूज म्यूकस को ड्राई कर देता है। इससे नोज ब्लीडिंग हो सकती है। ब्लड थिनर दवाएं-ब्लड थिनिंग मेडिसिन लेने से ब्लड की क्लॉटिंग कैपेसिटी कमजोर हो जाती है।इससे हल्की चोट या ड्राईनेस में भी ब्लीडिंग हो सकती है। हाई ब्लड प्रेशर- हाई बीपी में ब्लड वेसल्स पर दबाव ट्यूमर या पॉलिप के कारण भी हो सकता है। सवाल- क्या नोज ब्लीड किसी बीमारी का संकेत भी हो सकता है? जवाब- हां, बार-बार या तेज नोज ब्लीड किसी गंभीर समस्या का संकेत हो सकता है। जैसेकि- हाई ब्लड प्रेशर। बार-बार होने वाली एलर्जी या साइनस इन्फेक्शन। खून से जुड़ी बीमारियां (जैसे हीमोफीलिया)। विटामिन सी और के डेफिशिएंसी। लिवर और किडनी से जुड़ी प्रॉब्लम्स। नाक में पॉलिप या ट्यूमर। एथेरोस्क्लेरोसिस (धमनियों का सख्त होना)। प्लेटलेट्स की कमी। ल्यूकेमिया (ब्लड कैंसर)। सवाल- किन लोगों को नोज ब्लीड का रिस्क ज्यादा होता है? जवाब- उम्र, हेल्थ कंडीशन और वातावरण के कारण कुछ लोगों को नोज ब्लीड का रिस्क ज्यादा होता है। जैसेकि- 2 से 10 साल के बच्चे- ड्राई एयर, सर्दी-एलर्जी और नाक में उंगली या चीजें डालने की आदत के कारण रिस्क ज्यादा रहता है। 45 से 80 साल के वयस्क- इस उम्र में ब्लड क्लॉटिंग में समय लगता है। साथ ही हाई बीपी, एथेरोस्क्लेरोसिस (धमनियों का सख्त होना) और ब्लीडिंग डिसऑर्डर का रिस्क बढ़ जाता है। गर्भवती महिलाएं- प्रेग्नेंसी में नाक की ब्लड वेसल्स फैल जाती हैं, जिससे उन पर दबाव बढ़ता है और ब्लीडिंग की का रिस्क बढ़ जाता है। ब्लड थिनर दवाएं लेने वाले लोग- एस्पिरिन या वॉरफारिन जैसी दवाओं से खून जल्दी नहीं जमता। इससे नोज ब्लीड का रिस्क बढ़ जाता है। ब्लड क्लॉटिंग डिसआर्डर से पीड़ित लोग- हीमोफीलिया जैसी बीमारियों में बार-बार या हैवी ब्लीडिंग हो सकती है। एलर्जी या साइनस की समस्या वाले लोगों में भी यह रिस्क ज्यादा होता है। सवाल- क्या गर्मियों में नोज ब्लीड का रिस्क बढ़ जाता है?जवाब- हां, तेज गर्मी और सूखी हवा नाक की अंदरूनी लेयर को ड्राई कर देती है। इससे नाक की नाजुक ब्लड वेसल्स कमजोर हो जाती हैं और इनके फटने का रिस्क बढ़ जाता है। डिहाइड्रेशन भी नाक की अंदरूनी लेयर को ड्राई बना देती है। इससे ब्लीडिंग का रिस्क और बढ़ जाता है। सवाल- नाक से खून आने पर तुरंत क्या करें? जवाब- ऐसी स्थिति में घबराएं नहीं, सही तरीके से तुरंत प्राथमिक इलाज करने से ब्लीडिंग कंट्रोल हो सकती है। ज्यादातर मामलों में नोज ब्लीडिंग सामान्य है। लेकिन कुछ स्थितियों में तुरंत डॉक्टर से कंसल्ट करना चाहिए। सवाल- क्या खानपान का भी नोज ब्लीड पर असर पड़ता है? जवाब- हां, इसका नोज ब्लीड पर सीधा असर पड़ता है। सही डाइट नाक की नॉस्ट्रिल्स को मजबूत रखती है, जबकि गलत खानपान से समस्या बढ़ सकती है। जैसेकि-कम पानी पीने से नाक की म्यूकस लेयर ड्राई हो सकती है। इससे ब्लीडिंग का रिस्क बढ़ता है। विटामिन सी की कमी से ब्लड वेसल्स कमजोर हो सकती हैं। इसलिए भोजन में साइट्रस फूड शामिल करें। विटामिन के ब्लड क्लॉट बनाने में मदद करता है। इसकी कमी से ब्लड क्लॉटिंग देर से होती है। ज्यादा मसालेदार और गर्म तासीर वाला भोजन शरीर में गर्मी बढ़ाकर नोज ब्लीड का रिस्क बढ़ा सकता है। कैफीन और अल्कोहल शरीर को डिहाइड्रेट करते हैं, जिससे नाक की प्रोटेक्टिव लेयर ड्राई हो सकती है। न्यूट्रिशन की कमी से भी ब्लड वेसल्स कमजोर हो सकती हैं। लाइफस्टाइल और डाइट में क्या बदलाव करें? दिनभर पर्याप्त पानी पिएं, शरीर को हाइड्रेट रखें। तरबूज, खीरा, संतरा जैसे पानी और विटामिन से भरपूर फल खाएं। विटामिन सी और के से भरपूर डाइट (हरी सब्जियां, फल) लें। बहुत ज्यादा मसालेदार और गर्म तासीर वाले भोजन से बचें। घर में ह्यूमिडिटी बनाए रखें, जरूरत हो तो ह्यूमिडिफायर यूज करें।सलाइन स्प्रे या हल्का मॉइश्चर इस्तेमाल करें। नाक को जोर से न फूंकें और बार-बार छेड़ने से बचें। धूल, धुआं और केमिकल्स से दूरी बनाएं। धूप में निकलते समय सिर और नाक को कवर करें। स्मोकिंग और ड्रिंकिंग बिल्कुल न करें।

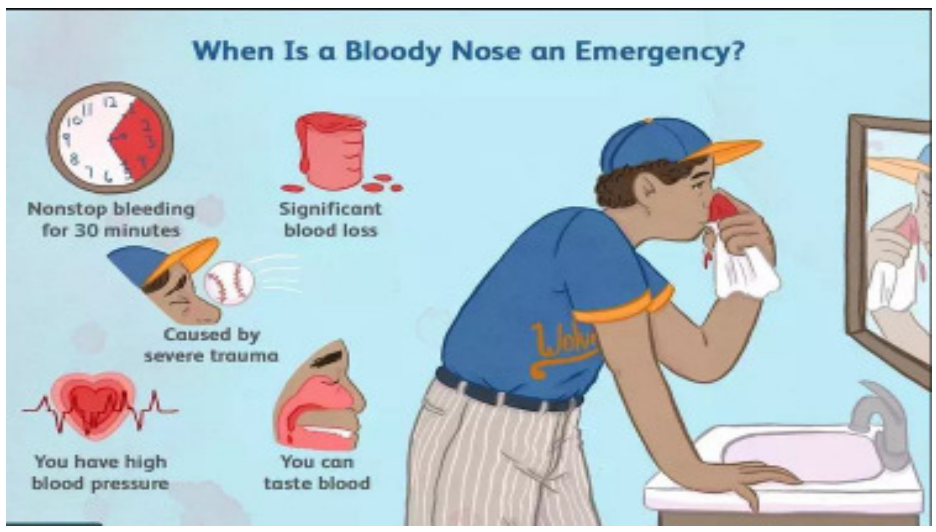

नोज ब्लीड से जुड़े कुछ जरूरी सवाल-जवाब- सवाल- क्या नोज ब्लीड खतरनाक हो सकता है? जवाब- आमतौर पर नहीं, लेकिन बार-बार या ज्यादा खून आने पर यह किसी बीमारी का संकेत हो सकता है। सवाल- क्या सिर पीछे करने से नोज ब्लीड रुकता है? जवाब- नहीं, इससे खून गले में जा सकता है।

इसलिए हमेशा सिर थोड़ा आगे झुकाना चाहिए। सवाल- क्या एसी में रहने से नोज ब्लीड का रिस्क कम होता है? जवाब- नहीं, एसी की सूखी हवा नाक को ड्राई करके रिस्क बढ़ा सकती है। सवाल- नोज ब्लीड का इलाज कैसे होता है? जवाब- हल्के मामलों में नाक दबाकर और ठंडी पट्टी से कंट्रोल हो जाता है। जबकि गंभीर मामलों में डॉक्टर दवा देते हैं या अन्य इलाज करते हैं।

नौकरी के लिए कम्युनिकेशन के साथ क्रिटिकल थिंकिंग और चिंतन भी जरूरी है

मेरे सामने 22 लोग थे और सामने मैं अकेला खड़ा था। दो मिनट पहले प्रोफेसर-इंचार्ज ने अपनी बात खत्म की थी, जिसमें उन्होंने कहा कि 'यह आपका आखिरी मौका है। अगर नौकरी पाना चाहते हो तो अगले सात दिन कुछ कौशल सीखने होंगे।' मेरी ओर इशारा करके उन्होंने कहा कि 'हमने कम्युनिकेशन स्किल्स और क्रिटिकल थिंकिंग के लिए सबसे अच्छा व्यक्ति बुलाया है। यही दो वजहें हैं, जिनके कारण आपको मनचाही नौकरी नहीं मिली।' उनकी बात सुनकर मुझे अंग्रेजी का एक शब्द याद आया- 'ग्रूहो'। यानी ऐसे विचार, वाक्यांश या विषय, जो बार-बार दोहराए जाने से अपना असर और ताजगी खो चुके। मैं उनके चेहरों को पढ़ सकता था, जो चुप रह कर भी मेरे कानों में बहुत कुछ कह रहे थे। मैंने दो छात्रों की ओर इशारा करके कहा, 'क्या आप दोनों सोच रहे हो कि यह कितना उबाऊ और बनावटी है?' दोनों ने झेंपते हुए मुस्कराकर सिर हिला दिया। मैंने पूछा, 'आपको क्या लगता है, मैंने वही शब्द कैसे जान लिए, जो आपके दिमाग में चल रहे थे?' मैंने पूछा, 'जल्दी बताओ आपके मन में कौन-से शब्द आए? 'मुझे नहीं पता' या 'हमें कैसे पता?' संयोग से आप दोनों ने दूसरा वाला सोचा था। वे फिर मुस्कराए और साथ में मैं भी जोर से हंस पड़ा। उनके शब्दों में खुद का मजाक उड़ाने की मेरी क्षमता ने उन्हें सहज कर दिया। मेरा आत्मविश्वास बढ़ा और मैंने कहा कि 'अगर आप फिर सोच रहे हो कि मुझे कैसे पता चला तो मेरा जवाब है कि मैं आप सबकी ऊर्जा, भावना, झिझक, खामोशी और बॉडी बिहेवियर पर अधिक ध्यान देता हूं। इस दुनिया में आप जैसे बहुत लोग हैं, जो बाहर जितना दिखाते हैं, उससे कहीं ज्यादा अपने भीतर लिए घूमते हैं। दूसरे लड़के की तरफ इशारा करके मैंने कहा कि 'जो व्यक्ति हंस रहा हो, वह सबसे ज्यादा तनावग्रस्त हो सकता है।' फिर सबसे दूर बैठे व्यक्ति को दिखाते हुए कहा कि 'कोई शांत व्यक्ति बहुत गहरी सोच में हो सकता है।' जब आप लोगों के साथ ज्यादा काम करते हैं तो आपको पता चलता है कि बहुत कम मामलों में कम्युनिकेशन का शब्दों से कोई लेना-देना होता है। विशेषज्ञ कहते हैं कि अगर आप सच में कम्युनिकेशन और क्रिटिकल थिंकिंग सीखना चाहते हैं तो चिंतन का अभ्यास सबसे सही तरीका है। अब तो इंटरव्यू के पैटर्न तक बदल रहे हैं। रिक्रूटर्स पूछने लगे हैं कि 'आपने अपनी यूनिवर्सिटी या पिछली नौकरी में ऐसा क्या सीखा, जो हमारी कंपनी के नवसृजित पद पर आपको सफल करेगा?' पहली नौकरी के लिए आवेदन करने वाले स्टूडेंट या नौकरी बदलना चाह रहे लोगों से सोच-समझकर जवाब देने की उम्मीद की जाती है। और ऐसे समझदारी भरे जवाब देने के लिए जो गुण जरूरी हैं- वह है 'चिंतन'। ज्यादातर सेंटर ऑफ डेवलपमेंट खास पेशों के लिए सीमित कौशल सिखाते हैं, ताकि लोग यूनिवर्सिटी खत्म करके पहली नौकरी हासिल कर सकें। लेकिन जब वे अपने हर अनुभव पर चिंतन की क्षमता विकसित कर लेते हैं तो वे अचानक परिपक्व दिखाई देने लगते हैं। लिंक्डइन का अनुमान है कि वर्कफोर्स में आज प्रवेश कर रहे लोगों के करियर में नौकरियों की संख्या उन लोगों की तुलना में दोगुनी होगी, जिन्होंने 15 साल पहले शुरुआत की थी। कुछ हद तक ऐसा इसलिए है, क्योंकि युवा ग्रेजुएट्स कामकाजी दुनिया में आगे बढ़ने के लिए ट्रांसफरेबल स्किल्स विकसित कर रहे हैं। वे आसपास के लोगों को भी अपने वर्कप्लेस पर अधिक तेज बने रहने में योगदान देंगे। और इस कौशल को ट्रांसफर करने के लिए 'चिंतन' सबसे बड़ा जरिया बनता है। फंडा यह है कि जब स्टूडेंट्स को अपनी सीख को व्यवहार में उतारने के मौके मिलते हैं तो वे स्कूल, कॉलेज और इंटर्नशिप से कहीं बेहतर तैयारी के साथ निकलते हैं, फिर भले ही वो कोई भी रास्ता चुनें। क्योंकि, चिंतन करने से वो जरूरी कौशल उनके डीएनए में शामिल हो जाते हैं। एन. रघुरामन

दुनिया में देश की अच्छी छवि पेश करना भी हमारा फर्ज है

किसी भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भारतीय पर्यटकों के बारे में सर्च कर लीजिए, विदेश यात्राओं के दौरान उनके व्यवहार, या कहें दुर्व्यवहार के अनेक वीडियो सामने आ जाएंगे। एक समूह चीन की दीवार पर उत्सवी परिधान पहनकर गरबा कर रहा है। दूसरा वियतनाम में हनोई की प्रसिद्ध ट्रेन स्ट्रीट पर शाहरुख खान के गीत 'छैंया छैंया' पर नाच रहा है। एक ग्रुप वियतनाम के ही एक एयरपोर्ट में रनवे के समीप की सड़क पर डांस कर रहा है, जिससे वहां का सुरक्षा स्टाफ परेशान नजर आता है। जबकि एक अन्य, अर्जेंटीना और ब्राजील की सीमा पर स्थित इगुआजु फॉल्स की बोट सफारी करते हुए 'इंडिया, इंडिया' के नारे लगा रहा है। इससे पहले उन्हीं लोगों ने नाव में चढ़ते वक्त कतार तोड़ने की कोशिश में धक्का-मुक्की भी की थी। पेरिस, लंदन, बैंकॉक, बाली तक ऐसे कई उदाहरण आपको दिख जाएंगे। विरले ही ऐसे अंतरराष्ट्रीय पर्यटन स्थल बचे होंगे, जहां भारतीय पर्यटकों ने व्यवस्था में खलल न डाला हो। एक वक्त था, जब विदेशों में अपने अक्खड़ रवैये के कारण अमेरिकी पर्यटकों को 'द अग्ली अमेरिकन' कहा जाने लगा था। लगता है भारतीयों पर भी वैसा ही ठप्पा लगने जा रहा है, क्योंकि उनमें से कई स्थानीय भावनाओं की अनदेखी करते पाए जा रहे हैं। यह कहना सही नहीं होगा कि सभी भारतीय पर्यटक ऐसा दुर्व्यवहार करते हैं। असल में तो यात्रा-शिष्टाचार के उल्लंघन को लेकर सोशल मीडिया पर जो नाराजगी दिखाई देती है, वह ज्यादातर भारतीय ही जताते हैं। क्योंकि उन्हें डर है कि मुट्ठीभर लोगों के बिगड़ैल रवैये से न केवल विदेशों में भारत की छवि बिगड़ती है, बल्कि उनके लिए भी माहौल खराब होता है। लेकिन उनके चिंता जताने के बावजूद भारतीय पर्यटकों को लेकर ऐसी कहानियां सामने आती रहती हैं कि वे कीमतों को लेकर उग्र होकर मोलभाव करते हैं, वेटरों और दुकानदारों से रूखेपन से बात करते हैं और यहां तक कि होटलों से साबुन, तौलिया जैसी चीजें भी चुरा लाते हैं। हाल ही में उद्योगपति हर्ष गोयनका ने 'एक्स' पर अपने साथ हुई ऐसी शर्मनाक घटना का जिक्र करते हुए लिखा कि ऐसे व्यवहार के कारण 'ब्रांड इंडिया' को कैसी शर्मिंदगी झेलनी पड़ती है। उन्होंने बताया कि स्विट्जरलैंड के पर्यटन स्थल ग्स्टाड के एक होटल में भारतीय पर्यटकों के लिए विशेष नियमों की सूची देखकर वे हैरान रह गए। होटल के हर कमरे में लगे नोटिस में भारतीयों के लिए चेतावनी थी कि वे मुफ्त ब्रेकफास्ट बुफे से खाना बाहर न ले जाएं। सिर्फ उपलब्ध कराई गई कटलरी ही इस्तेमाल करें और बालकनी तथा गलियारों में शोर न मचाएं। उन्होंने एक और घटना बताई कि एक भारतीय कारोबारी किसी साल दावोस में विश्व आर्थिक मंच की बैठक में गए और रेस्तरां में इतना तेज पंजाबी म्यूजिक बजाने लगे कि पूरा शहर सुन ले। वे इसे भारत की 'सॉफ्ट पावर' का प्रदर्शन बता रहे थे। असल बात यह है कि देश में रहकर सिविक सेंस की जो कमी हम प्रदर्शित करते हैं, वो अब विदेश में भी नजर आने लगी है। रोजाना हम देखते हैं कि हवाई जहाजों और रेस्तरां में बच्चों को उछल-कूद मचाने दिया जाता है। माता-पिता दूसरों को हो रही परेशानी से बेखबर बैठे रहते हैं। लोग सड़क पर चॉकलेट के रैपर और चिप्स के खाली पैकेट फेंक देते हैं। सोमवार को किसी सार्वजनिक पार्क में जाइए, जहां परिवारों ने रविवार को पिकनिक मनाई हो। जगह-जगह कागज की प्लेटें, गिलास और जूठन तक बिखरी होती है, जबकि वहां बाकायदा कूड़ेदान लगे होते हैं। कई देशों में, खासकर विकसित देशों में, बुनियादी सिविक सेंस स्कूलों से ही सिखाया जाता है और घरों में उसका पालन कराया जाता है। लेकिन लगता है कि शायद हमने अच्छे नागरिक बनने के महत्व को भुला दिया है। थाईलैंड ने अवांछित पर्यटकों को छांटने के लिए वीसा नीति में बदलाव किया है। उसने 93 देशों के लिए वीसा-मुक्त प्रवेश समाप्त कर दिया है और भारत भी उनमें शामिल है, जबकि भारत से सर्वाधिक पर्यटक थाईलैंड जाते हैं। आज भारतीयों की वैश्विक मौजूदगी बढ़ी है। पर इसका यह भी मतलब है कि हमारे पर्यटकों की निगरानी अधिक होती है। ऐसे में हमारा फर्ज बनता है कि हम अपनी और अपने देश की बेहतर छवि पेश करें। आखिरकार, पर्यटक भी राजनयिकों की भांति ही भारत के प्रतिनिधि हैं। आज भारतीयों की वैश्विक मौजूदगी बढ़ी है। इसका यह भी मतलब है कि हमारे पर्यटकों की निगरानी अधिक होती है। ऐसे में हमारा फर्ज है कि हम देश की बेहतर छवि पेश करें। पर्यटक भी राजनयिकों की भांति भारत के प्रतिनिधि हैं।(ये लेखिका के अपने विचार हैं,आरती जेरथ)

सूझबूझ इसी में कि हम पड़ोसियों के साझेदार बनें

एक प्रमुख शक्ति के रूप में भारत का उदय स्थिर और सहयोगी पड़ोस की अपेक्षा करता है। कोई भी देश अपने आस-पड़ोस के स्ट्रैटेजिक परिवेश का प्रबंधन किए बिना दुनिया में दबदबे का दावा नहीं कर सकता। 1985 में सार्क की स्थापना के पीछे यही तर्क था। किंतु 2016 में पाकिस्तान-प्रायोजित आतंकवाद के कारण इस्लामाबाद में प्रस्तावित 19वें शिखर सम्मेलन के रद्द होने के बाद से यह संगठन निष्प्राण-सा हो गया है। इतिहास में ऐसे अनेक उदाहरण मिलते हैं, जब देशों ने अपनी आपसी प्रतिद्वंद्विताओं को पीछे छोड़कर क्षेत्रीय सहयोग की संस्थाओं का निर्माण किया। ऐसी संस्थाएं इसलिए अस्तित्व में आईं, क्योंकि नेताओं ने यह समझ लिया था कि भूगोल एक स्थायी हकीकत है, जबकि संघर्ष महज एक विकल्प है। चुनौती यह थी कि भौगोलिक निकटता को तनाव के स्रोत से बदलकर सामूहिक तरक्की के साधन में बदला जाए। इसका सबसे उल्लेखनीय उदाहरण ईयू है। ब्रिटेन और फ्रांस सदियों तक प्रतिद्वंद्वी रहे। जर्मनी ने इन दोनों के विरुद्ध विनाशकारी युद्ध लड़े। यूरोप राष्ट्रीय पहचानों की रक्षा को लेकर अत्यधिक संवेदनशील था। फिर भी, विश्वयुद्धों की त्रासदी के बाद यूरोप ने धीरे-धीरे महसूस किया कि समृद्धि और सुरक्षा का मार्ग टकराव नहीं, बल्कि सहयोग से होकर जाता है। परिणामस्वरूप एक ऐसी प्रक्रिया आरंभ हुई, जो अंततः ईयू के रूप में विकसित हुई। यह आधुनिक इतिहास में क्षेत्रीय एकीकरण के सबसे सफल उदाहरणों में से एक है।अफ्रीकी संघ का उदय भी उन सीमाओं के बावजूद हुआ था, जिन्हें औपनिवेशिक शक्तियों ने मनमाने ढंग से निर्धारित किया था। वहां जातीय संघर्ष तथा अंतर-राज्यीय विवाद भी थे। आसियान भी ऐसे देशों को एक मंच पर लाया, जो पहले पारस्परिक अविश्वास और संघर्ष के अनुभव से गुजर चुके थे। इंडोनेशिया और मलेशिया 1960 के दशक में कोनफ्रोंतासी संघर्ष में उलझे थे। 1965 में मलेशिया से सिंगापुर का अलगाव कटु परिस्थितियों में हुआ था। थाईलैंड और कंबोडिया के बीच लंबे समय से सीमा-विवाद थे। फिर भी, आसियान एक अत्यंत प्रभावी क्षेत्रीय मंच के रूप में विकसित हुआ, क्योंकि उसके सदस्य देशों ने यह समझ लिया था कि आर्थिक विकास और सामरिक स्थिरता का सर्वोत्तम मार्ग सामूहिक प्रयासों से होकर जाता है। इसी प्रकार, अमेरिकी राष्ट्रों का संगठन (ओएएस) भी उन देशों के बीच स्थापित हुआ, जिनका इतिहास क्षेत्रीय विवादों, वैचारिक विभाजनों और राजनीतिक अस्थिरता से भरा हुआ था। इन सभी उदाहरणों में एक महत्वपूर्ण तत्व साझा सांस्कृतिक और सभ्यतागत संबंधों का अस्तित्व था। यही तर्क दक्षिण एशिया पर भी समान रूप से लागू होता है। राजनीतिक मतभेदों के बावजूद दक्षिण एशिया में गहन सभ्यतागत एकता विद्यमान रही है। इस क्षेत्र के लोग इतिहास, भाषा, धर्म, भोजन, संस्कृति, साहित्य, संगीत और पारिवारिक-सामाजिक संबंधों के ऐसे नेटवर्कों से जुड़े हैं, जिनका अस्तित्व आधुनिक राष्ट्र-राज्यों के उदय से बहुत पहले से रहा है। लेकिन अफसोस कि सार्क की प्रगति भारत और पाकिस्तान के तनावपूर्ण संबंधों की बंधक बनकर रह गई। दशकों से चले आ रहे अविश्वास ने सामूहिक पहलों को पंगु बना दिया। चीन ने भी क्षेत्रीय विभाजनों का लाभ उठाकर अपने सामरिक हितों को आगे बढ़ाने के अवसर देखे। इसके बावजूद सार्क के पीछे निहित तर्क आज भी उतना ही प्रासंगिक है। दक्षिण एशिया के साथ भारत का संबंध केवल भौगोलिक ही नहीं, सभ्यतागत भी है। बौद्ध धर्म के माध्यम से भारत और श्रीलंका के संबंध गहरे हैं। नेपाल के भारत के साथ सांस्कृतिक और धार्मिक संबंध भाषा, साहित्य और संगीत की सदियों पुरानी विरासत मानवीय संबंधों का एक सशक्त आधार प्रदान करती है। समाधान सार्क को त्यागने में नहीं, बल्कि धैर्य और व्यावहारिकता के साथ उसे पुनर्जीवित करने में है। विश्वास रातों-रात निर्मित नहीं किया जा सकता। किंतु जब लोग व्यापार, पर्यटन, शैक्षिक आदान-प्रदान, सांस्कृतिक कार्यक्रमों, परस्पर संपर्क, ऊर्जा सहयोग आदि के माध्यम से सहयोग के लाभों का प्रत्यक्ष अनुभव करते हैं, तब वे स्वयं उस सहयोग के पैरोकार भी बन जाते हैं। एक उभरती हुई प्रमुख शक्ति के रूप में भारत के लिए पहली प्राथमिकता अपने निकटवर्ती पड़ोस को मजबूत बनाना होना चाहिए। दक्षिण एशिया के भूगोल ने हमें पड़ोसी बनाया है। लेकिन सूझबूझ इसी में है कि हम सहयोगी भी बनें। भूगोल एक स्थायी हकीकत है, जबकि संघर्ष महज एक विकल्प है। ऐसे में चुनौती यह है कि भौगोलिक निकटता को तनाव के स्रोत से बदलकर सामूहिक तरक्की के साधन में बदला जाए। इतिहास भी यही सबक सिखाता है। (ये लेखक के अपने विचार हैं,पवन के. वर्मा)

पाक की नियति बन चुकी है भुलावे में रहना

भारत के साथ पाकिस्तान के युद्ध का इतिहास कैसा रहा है? सामरिक रूप से ठीक, लेकिन रणनीतिक रूप से नुकसानदायक। यही वजह है कि वह पूरी ताकत से शुरुआत करने के बावजूद हर युद्ध हारता है। लेकिन 1971 और कारगिल युद्ध को छोड़कर उसने ज्यादातर युद्धों में जीत का दावा किया है। गत वर्ष की 87 घंटे की मुठभेड़ को ही देख लीजिए। मुनीर से लेकर पाकिस्तान की राजनीति के सबसे निचले स्तर तक पूरा पाकिस्तान मानता है कि इस बार जीत उसकी हुई; कि इसके बाद अमेरिका ने उसे फिर गले लगाया और इसे उसकी खुद की घोषित 'जीत' की मंजूरी माना गया। जबकि हकीकत यह है कि पहलगाम हत्याकांड के सिर्फ चार दिन पहले और ऑपरेशन सिंदूर के करीब दो हफ्ते पहले स्टीव विटकॉफ के बेटे जाक का दौरा और क्रिप्टो सौदा हो चुका था। मुनीर को मालूम था कि भारत पहलगाम का जवाब देगा। इसलिए उन्होंने ट्रम्प परिवार के लालच का फायदा उठाने की चाल पहले ही तैयार कर ली थी। दुनिया में अधिकतर लोगों से पहले इस बात को समझने के लिए आप मुनीर की तारीफ कर सकते हैं या हो सकता है कि सऊदी अरब ने उन्हें पहले ही सावधान कर दिया हो। लड़ाई शुरू होने से पहले ही उन्होंने ट्रम्प के 'सिस्टम' को अपने पक्ष में कर लिया था। एक हफ्ते पहले, 16 अप्रैल 2025 को विदेश में बसे पाकिस्तानियों को दिए उनके भाषण ने इसका संकेत दे दिया था। वह हत्याकांड भारत की जवाबी कार्रवाई देखने की उनकी योजना का हिस्सा था। ट्रम्प को अपने पक्ष में लाकर कश्मीर मुद्दे को उठाना उनका रणनीतिक लक्ष्य था। पहली चाल सफल रही, लेकिन दूसरी पूरी तरह नाकाम रही। पाकिस्तान ने यह जानते हुए भारत को उकसाया था कि भारत जवाब में सैन्य कार्रवाई करेगा, इसलिए उसने यह भी अंदाजा लगाया होगा कि किन जगहों को निशाना बनाया जाएगा। वे यह भी जानते थे कि भारत कौन से हथियार इस्तेमाल करेगा। इसलिए भारतीय वायुसेना ने 7 मई की रात 1 बजकर 7 मिनट पर जब उड़ान भरी, तब वे तैयार थे। अपने अंदरूनी इलाकों में निशानों पर हमलों को वे रोक नहीं पाए, लेकिन यह उनका मकसद भी नहीं था। वे जवाब को हवाई मुठभेड़ तक सीमित रखना चाहते थे। एईडब्ल्यू विमानों और जे-10सी, जेएफ-17 के साथ पीएल-15 मिसाइलों को आगे रखकर इस कार्रवाई का पहले से अभ्यास किया गया था। उन्हें कुछ सफलता मिली और वे इसका जश्न मना रहे थे। लिए एंटी-रेडिएशन ड्रोनों से हमला किया गया। और आखिर में पीएएफ के सबसे सुरक्षित हवाई अड्डों पर लगातार हवाई हमले किए गए। पीएएफ का कोई भी विमान, या कितनी भी दूरी तक मार करने वाली मिसाइल क्यों न हो, जवाब देने के लिए उड़ान नहीं भर सकी। जब तक पाकिस्तान ने संघर्षविराम की मांग की, तब तक सिर्फ एक पक्ष के पास सबूत थे कि दूसरे पक्ष को कितना नुकसान हुआ है : व्यावसायिक उपग्रहों से मिली तस्वीरें बता रही थीं कि पीएएफ के कम-से-कम 13 हवाई अड्डे और तीन रडार नष्ट हो चुके थे। इसके बावजूद पाकिस्तान अपनी जीत का जश्न मना रहा है। एक भारतीय कमांडर ने कहा यह ऐसा ही था, जैसे भारत ने पाकिस्तान को हॉकी मैच में 3-1 से हरा दिया हो। बात इतनी थी कि उनके सेंटर फॉरवर्ड ने गोल किया और हमारे खिलाड़ियों ने तीन पेनल्टी को गोल में बदल दिया। हमें नुकसान पहुंचाने के उनके दावों का कोई सबूत नहीं है। भारत के सभी हवाई अड्डों के पास शहर बसे हुए हैं, कुछ भी छिपा नहीं है, लेकिन कोई उपग्रह तस्वीर सामने नहीं आई है। पाकिस्तान के सभी दावे बेकार हैं। बहरहाल, यहां मैं हाल के इतिहास को दोहराने की कोशिश नहीं कर रहा हूं, बल्कि अपनी मुख्य बात पर जोर दे रहा हूं। वह यह है कि पाकिस्तानी फौजी दिमाग अच्छी तरह सोचता है, लेकिन सिर्फ सामरिक चालों के हिसाब से सोचता है। वह यह अंदाजा नहीं लगा पाता कि भारत किस तरह जवाब देगा। यह अंदरूनी कमजोरी, भारतीय सेना के प्रति अनादर या दोनों का मेल हो सकता है। यह विचार भी हमें पाकिस्तानी लेखक शुजा नवाज की किताब क्रॉस्ड सोर्ड्स से मिला है। कारगिल युद्ध की बात करते हुए उन्होंने लिखा है कि भारत के साथ 'वार गेम' खेल रही पाकिस्तानी टीम ने बिल्कुल सही अनुमान लगाया था कि वाजपेयी सरकार किस तरह जवाब देगी। अगर उसे गंभीरता से लिया जाता, तो पाकिस्तान हार, पीछे हटने और बेइज्जती से बच सकता था, लेकिन उसका मजाक उड़ाया गया। सामरिक दृष्टि से कारगिल युद्ध शानदार था।(ये लेखक के अपने विचार हैं, शेखर गुप्ता)

आवारा श्वानो के लिए भिड़े दो देश, मेक्सिको ने इसे अपना बताया, ब्राजील में नाराजगी

300 नस्लों से मिलकर बना कैरामेलो डॉग,100 साल में विकसित हुआ कैरामेलो

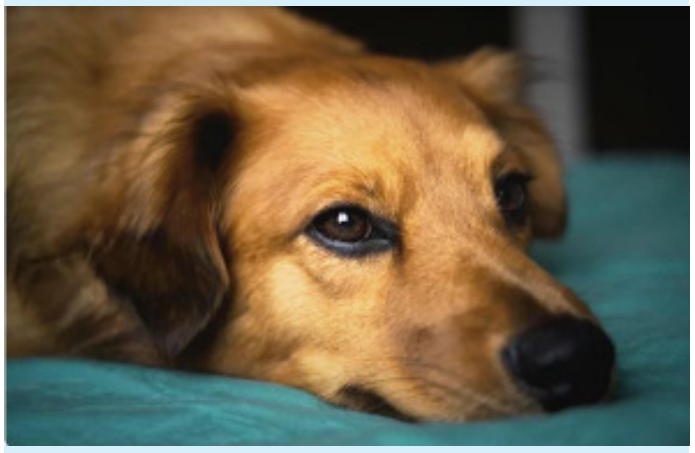

मेक्सिको। हालांकि, यह कानून अब तक पास नहीं हो सका है। इसके बाद साओ पाउलो समेत कुछ राज्यों ने अपने स्तर भूरे कुत्ते-अप्रैल में मेक्सिको के पर्यावरण अभियोजक कार्यालय ने कैरामेलो को मेक्सिकन नस्ल घोषित किया। अपने बयान में इससे शरीर पर कम कीड़े लगते हैं और तेज धूप में भी ये आसानी से रह पाते हैं। मिश्रित नस्ल होने की वजह से इनमें कई

पर इन्हें सांस्कृतिक विरासत का दर्जा देने वाले कानून बनाए। रियो डी जेनेरियो के एक डॉग पार्क में हाल ही में बड़ी संख्या में ऐसे भूरे कुत्ते दिखाई दिए। 100 साल में विकसित हुआ कैरामेलो- शोध के अनुसार कैरामेलो की जड़ें उन कुत्तों तक जाती हैं जिन्हें पुर्तगाली उपनिवेशवादी अपने साथ ब्राजील लाए थे। बाद में इटली, जर्मनी, स्पेन और जापान से आए प्रवासी भी विभिन्न नस्लों के कुत्ते लेकर आए। 1930 से 1970 के बीच ब्राजील में औद्योगीकरण बढ़ा। इस दौरान ग्रामीण इलाकों के लोग शहरों की ओर आए तो वे अपने साथ खेतों और पशुओं की रखवाली करने वाले कुत्तों को भी लेकर आए। शहरों में पहले से मौजूद छोटे पालतू कुत्तों के साथ इनका मेल हुआ। कई पीढ़ियों तक बिना किसी नियंत्रण के प्रजनन होने के बाद आज के कैरामेलो कुत्ते अस्तित्व में आए। मेक्सिको में भी पाए जाते है ये कार्यालय ने कहा कि इस कदम का मकसद देसी और आवारा कुत्तों को लेकर लोगों की नकारात्मक सोच बदलना है। मेक्सिको में जानवरों की संस्था से जुड़ी क्लाउडिया एडवर्ड्स ने कहा कि मेक्सिको में भी ऐसे भूरे कुत्ते बड़ी संख्या में मिलते हैं। इसकी वजह दोनों देशों का मिलता-जुलता इतिहास और मौसम है। उन्होंने कहा कि ब्राजील ने सबसे पहले इन कुत्तों को पहचान जरूर दिलाई। लेकिन कैरामेलो सिर्फ एक देश का नहीं, पूरे लैटिन अमेरिका का है। गर्म मौसम में आसानी से ढल जाते हैं कैरामेलो कुत्ते- ब्राजील के लगभग हर शहर में ये भूरे कुत्ते दिखाई देते हैं। स्थानीय लोग अक्सर इन्हें खाना खिलाते हैं और इनकी देखभाल भी करते हैं। कई जगह ये मोहल्लों के साझा कुत्ते बन चुके हैं। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, इनका छोटा और हल्का भूरा फर इन्हें गर्म मौसम में फायदा देता है। जन्मजात बीमारियों का खतरा भी कम रहता है। यही वजह है कि ये कुत्ते काफी मजबूत और परिस्थितियों के हिसाब से खुद को ढाल लेने वाले होते हैं। कई कैरामेलो लोकप्रियता बढ़ने के बावजूद शेल्टर होम्स में है- कैरामेलो कुत्तों की लोकप्रियता बढ़ी है लेकिन बड़ी संख्या में ये अब भी शेल्टर होम्स में पड़े हैं। ब्राजील की सबसे बड़ी एनिमल वेलफेयर संस्था अम्पारा की संस्थापक जूलियाना कैमर्गो ने कहा कि लोग अब भी इन्हें सबसे पहले गोद लेने के लिए नहीं चुनते। एनिमल वेलफेयर ग्रुप्स की एक ग्लोबल स्टडी के मुताबिक, ब्राजील में दो करोड़ से ज्यादा आवारा कुत्ते हैं। कैमर्गो का अनुमान है कि इनमें 90इ से ज्यादा कैरामेलो हैं। जूलियाना कैमर्गो का मानना है कि अगर ब्राजील और मेक्सिको दोनों जगह कैरामेलो कुत्तों को पहचान मिलेगी तो ज्यादा लोग इन्हें अपनाने के लिए आगे आएंगे।

मिस्र में 26,800 करोड़ की लागत से ड्राइवर-लेस मोनोरेल शुरू,काहिरा में ट्रैफिक जाम से मिलेगी मुक्ति- चीन को पछाड़कर बनेगा सबसे लंबा नेटवर्क

काहिरा। मिस्र की राजधानी काहिरा में ट्रैफिक जाम से राहत देने के लिए रेगिस्तान के बीच ड्राइवरलेस मोनोरेल सेवा शुरू हुई विशेषताएं और मार्ग- यह मोनोरेल परियोजना मिस्र की नई राजधानी को आधुनिक और पर्यावरण के अनुकूल परिवहन

है। यह अफ्रीका की पहली इलेक्ट्रिक हाई-टेक मोनोरेल है। 26,800 करोड़ की लागत वाले इस प्रोजेक्ट का 56.5 किमी लंबा पहला रूट काहिरा इंटरनेशनल स्टेडियम से न्यू एडमिनिस्ट्रेटिव कैपिटल के बीच शुरू हुआ है। जो काहिरा के नस्र सिटी को नई प्रशासनिक राजधानी से जोड़ती है। प्रोजेक्ट पूरा होने पर यह 100 किमी लंबा हो जाएगा और चीन के 98.5 किमी लंबे चोंगकिंग नेटवर्क को पछाड़कर दुनिया का सबसे लंबा मोनोरेल नेटवर्क बनेगा। यह ट्रेन ब्रेकिंग एनर्जी का 99इ हिस्सा दोबारा इस्तेमाल करती है। 22 स्टेशनों को जोड़ने वाली चालक रहित मोनोरेल का उद्देश्य भीड़भाड़ को कम करना और शहरी कनेक्टिविटी में सुधार करना है। यह अफ्रीका की सबसे लंबी एकल मोनोरेल लाइन है और दूसरी लाइन के साथ मिलकर यह महाद्वीप के सबसे बड़े मोनोरेल नेटवर्क का हिस्सा बन जाती है। पर्यावरण के अनुकूल यह स्वचालित प्रणाली पारंपरिक इलेक्ट्रिक रेल की तुलना में ऊर्जा की खपत को 30% तक कम कर देती है। मुख्य से जोड़ने की एक बड़ी पहल है। मार्ग की लंबाई और स्थान - ईस्ट नाइल मोनोरेल लाइन कुल 56.5 किलोमीटर लंबी है। यह पूर्वी काहिरा के नस्र सिटी से शुरू होकर मिस्र की 'न्यू एडमिनिस्ट्रेटिव कैपिटल' (नई प्रशासनिक राजधानी) तक जाती है। स्टेशन और समय - इस मार्ग पर कुल 22 स्टेशन बनाए गए हैं।

यह पूरी तरह से ऑटोमेटेड (चालक रहित) है और पारंपरिक इलेक्ट्रिक ट्रेनों की तुलना में 30फीसदी तक कम ऊर्जा की खपत करती है। टिकट और क्षमता यात्रियों के सफर को आसान बनाने के लिए किराये और जोन को चार श्रेणियों में विभाजित किया गया है। चार ज़ोन प्रणाली - यात्रा के स्टेशनों की संख्या के आधार पर मूल्य संरचना बनाई गई है (अधिकतम लाइन का किराया 80 मिस्र पाउंड तक है)। परिवहन क्षमता- यह प्रणाली काहिरा के भारी ट्रैफिक को कम करने और यात्रियों को सुरक्षित व तेज़ विकल्प प्रदान करने के लिए डिज़ाइन की गई है।

दुनियाभर के टॉप लग्जरी ब्रांड्स का 'टॉप सीक्रेट' मुंबई में

क्रिस्टियन डियोर, गुची, प्रादा के कपड़ों पर कढ़ाई चाणक्य इंटरनेशनल करती है

मुंबई। क्रिस्टियन डियोर, प्रादा, गुची जैसे दुनिया के 30 से को मलमल, सिल्क और कढ़ाई वाले कपड़े भेजे जाते थे। यही की वेटिकन लाइब्रेरी में चाणक्य की कलाकृतियों का प्रदर्शन

ज्यादा टॉप लग्जरी ब्रांड्स के कपड़ों पर भारत में कढ़ाई होती है। ये नामी ब्रांड्स अपने कपड़ों पुरानी विरासत आज भी भारतीय कला को आधुनिक बनाए हुए है। विनोद शाह की बेटी 49 वर्षीय किया है। करिश्मा का मानना है कि इस कला की सबसे बड़ी ताकत यह है कि एआई कभी

की खास कढ़ाई मुंबई की 'चाणक्य इंटरनेशनल' से करवाते हैं। यहां के कारीगर हाथ की कढ़ाई से 5,000 साल पुरानी विरासत बचाए हुए हैं। चाणक्य इंटरनेशनल की शुरुआत गुजरात के विनोद शाह ने 1984 में की थी। इसका मकसद भारतीय कपड़ों पर सामूहिक रूप से की गई कारीगरी का पूरी दुनिया में पहचान दिलाना था। दुनिया के सबसे महंगे डिजाइनर और रेडीमेड कपड़ों में भारतीय कढ़ाई की मांग सबसे ज्यादा है। इसकी क्वालिटी का कोई मुकाबला नहीं है। पश्चिमी देशों में यह हुनर खत्म हो चुका है। भारत सदियों से दुनिया को कपड़े निर्यात कर रहा है। 16वीं और 17वीं सदी में भी भारत से फ्रांस सहित कई देशों करिश्मा स्वाली पिछले 30 साल से चाणक्य की मैनेजिंग और क्रिएटिव डायरेक्टर हैं। करिश्मा यहां 2,400 कारीगरों का नेतृत्व करती हैं। बचपन में जब वह पहली बार पिता की वर्कशॉप गईं, तो वहां सामूहिक काम देखकर उन्हें अहसास हुआ कि मिलकर जुटने से नतीजा उम्मीद से सुंदर होता है। डियोर फॉल 2023 शो के दौरान चाणक्य इंटरनेशनल को एक बड़ी टेक्सटाइल कलाकृति बनाने की जिम्मेदारी मिली थी। इसमें 1,008 मास्टर्स और महिलाओं ने मिलकर एक विशाल पारंपरिक तोरण बनाया था, जिसका इस्तेमाल घरों में स्वागत के लिए होता है। करिश्मा ने हाल ही में वेनिस बिएनाले और रोम भी हाथ के इस हुनर की जगह नहीं ले सकता है। हुनर - नई पीढ़ी को सिखा रहे कढ़ाई, एआई भी नहीं ले सकती इंसानी कला की जगह-करिश्मा ने नई पीढ़ी के लिए 'चाणक्य स्कूल ऑफ क्राफ्ट' खोला है। सबसे बड़ी चुनौती करिकुलम बनाना नहीं, बल्कि स्टूडेंट्स का न आना था। करिश्मा ने खुद गरीब बस्तियों में घर-घर जाकर महिलाओं को मुफ्त हुनर सिखाने के लिए मनाया। तब संदेह के बीच सिर्फ 22 महिलाएं अपने पतियों और सास के साथ आईं, जो बाहर बैठकर इंतजार करते थे। आज 10 साल बाद स्कूल में 1,400 महिलाएं हैं और लंबी वेटिंग लिस्ट है।

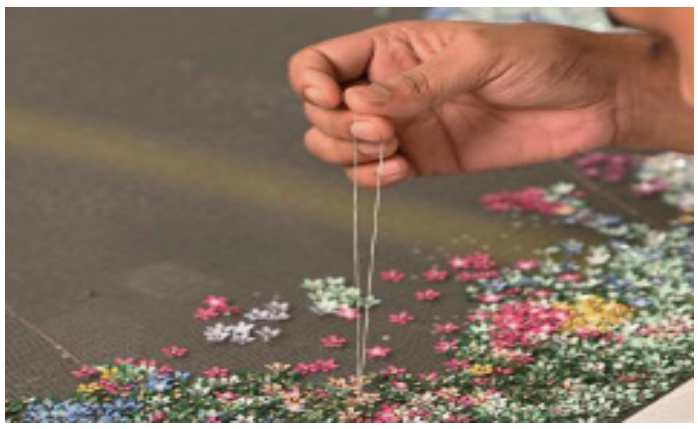

तमिलनाडु में भाजपा छोड़ते ही अन्नामलाई ने नई पार्टी बनाई,अगला चुनाव लड़ने का किया ऐलान

कहा- मतभेद थे, आलाकमान ने चुनाव तक रुकने को कहा था

चेन्नई। तमिलनाडु बीजेपी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष के अन्नामलाई ने शुक्रवार को नई पार्टी बनाने में शामिल हुआ था। मेरा मकसद तमिलनाडु में बदलाव लाना और राज्य में राजनीति के तौर- लेकर उनके और पार्टी नेतृत्व के विचार अब मेल नहीं खाते। भाजपा को कितना नुकसान, 3 से विपक्षी राजनीति में भाजपा की धार कुछ कमजोर पड़ सकती है।लेकिन नुकसान सीमित भी रह सकता है, 2 वजह- भाजपा का वोट पूरी तरह अन्नामलाई पर निर्भर नहीं: तमिलनाडु में भाजपा का एक हिस्सा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता के आधार पर वोट करता है। एनडीए गठबंधन सहारा दे सकता है: एआईएडीएमके जैसे सहयोगी दल साथ रहे तो भाजपा का संगठनात्मक नुकसान कुछ हद तक संतुलित हो सकता है। अन्नामलाई ने 25 अगस्त 2020 को बीजेपी जॉइन की थी। उस समय वे कर्नाटक कैडर के पूर्व आईपीएस अधिकारी थे। पार्टी में शामिल होने के तुरंत बाद तमिलनाडु बीजेपी का उपाध्यक्ष बनाया गया था। 2021 को उन्हें तमिलनाडु बीजेपी का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया गया। अप्रैल 2025 तक इस पद पर रहे। तमिलनाडु में बीजेपी के संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने का अभियान चलाया।एन मन्न, एन मक्कल (मेरी धरती, मेरे लोग) यात्रा निकाली, जिसके जरिए राज्यभर में जनसंपर्क किया।

का ऐलान किया। सोशल मीडिया पर एक वीडियो मैसेज में अन्नामलाई ने कहा कि आज हम एक आंदोलन शुरू करने जा रहे हैं। हमारी राजनीतिक पार्टी तमिलनाडु में 2031 में अगला विधानसभा चुनाव लड़ेगी।मेरे लिए यह तय करना बहुत मुश्किल था कि मैं बीजेपी का सदस्य रहूं या तमिल से जुड़ा रहूं। मैंने 4 दिसंबर 2025 को पार्टी को बताया कि मैं इस्तीफा देने जा रहा हूं। पार्टी ने मुझसे कहा कि पहले चुनाव पूरे कर लूं और फिर जाउं। अन्नामलाई ने 2 जून को भाजपा से इस्तीफा दिया था। लेटर शुक्रवार को सामने आया। उन्होंने इस्तीफे की वजह बताते हुए लिखा कि पिछले 18 महीनों से आलाकमान के साथ उनके मतभेद चल रहे हैं। अब उनके विचार एक जैसे नहीं रहे। अन्नामलाई पिछले 6 सालों से भाजपा से जुड़े थे। उनके रहते हुए बीजेपी ने 2021 और 2026 विधानसभा चुनाव लड़ा। दोनों ही चुनावों में भाजपा का वोट शेयर 2फीसदी से ज्यादा नहीं बढ़ सका। 1. मोदी से प्रभावित होकर भाजपा में आया था- पीएम मोदी जी के नेतृत्व से प्रेरित होकर मैं 6 साल पहले भाजपा तरीकों को बेहतर बनाना था। 2. बदलाव की लहरें उठीं, लेकिन टिकी नहीं- मैं बीजेपी नेतृत्व का बहुत आभारी हूं कि उन्होंने मुझ जैसे युवा और अनुभवहीन व्यक्ति

पर भरोसा करके बड़ी जिम्मेदारियां और नेतृत्व के पद सौंपे। राज्य की जनता कई दशकों से चली आ रही आम राजनीतिक चर्चाओं से ऊब चुकी थी और बदलाव चाहती थी। पिछले दशक में कई बार बदलाव की लहरें उठीं, लेकिन वे टिक नहीं पाईं। 3. भाजपा की टॉप लीडरशिप के साथ मतभेद- पिछले 18 महीनों में टॉप लीडरशिप के साथ कुछ मतभेद रहे हैं। तमिलनाडु की राजनीति को आगे बढ़ाने के तरीके को संभावनाएं-राज्य में युवाओं की पकड़ कमजोर होना: अन्नामलाई ने खुद को युवा, आक्रामक और साफ-सुथरी छवि वाले नेता के रूप में स्थापित किया। सोशल मीडिया और शहरी मध्यम वर्ग में उनकी अच्छी पकड़ है। युवाओं में भाजपा की पकड़ कमजोर हो सकती है। तमिलनाडु में भाजपा का सबसे बड़ा चेहरा खोना: पिछले 4-5 साल में अन्नामलाई ही राज्य में भाजपा का मुख्य चेहरा रहे। उनके बाद वैसी लोकप्रियता वाला दूसरा नेता फिलहाल नहीं दिख रहा है। डीएमके विरोधी वोटों का बिखराव: अन्नामलाई डीएमके के सबसे मुखर आलोचक रहे हैं। उनके हटने 2021 विधानसभा चुनाव में अरवाकुरिची सीट से चुनाव लड़ा, लेकिन हार गए। डीएमके सरकार के खिलाफ भ्रष्टाचार और कानून-व्यवस्था के मुद्दों को लगातार उठाया। 2024 लोकसभा चुनाव में कोयंबटूर सीट से चुनाव लड़ा, लेकिन हार गए। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में बीजेपी सिर्फ 1 सीट जीत पाई, जबकि एक्टर विजय की 2 साल पुरानी पार्टी टीवीके को 108 सीटें मिलीं। ये डीएमके (59) और एआईडीएमके (47) की कुल सीटों से ज्यादा है।

दिल्ली यूनिवर्सिटी की प्रोफेसर का फ्लैट में शव मिला-हत्या की आशंका

नयी दिल्ली। दिल्ली यूनिवर्सिटी के शिवाजी कॉलेज

में असिस्टेंट प्रोफेसर देवोस्मिता पॉल (45) का शव गुरुवार को उनके फ्लैट में मिला। वह पूर्वी दिल्ली के वसुंधरा एन्क्लेव स्थित फ्लैट में अकेली रहती थीं। उनकी बहन देवरति पॉल ने पुलिस को बताया कि सुबह से वह फोन नहीं उठा रही थीं। जब वह फ्लैट पर पहुंचीं तो दरवाजे पर बाहर से ताला लगा था। उन्होंने ताला तोड़ा और अंदर जाकर देखा तो उनकी बहन मृत अवस्था में पड़ी थीं। सूचना मिलते ही पुलिस, क्राइम टीम और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। पूरे फ्लैट की फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी कराई गई। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। मौत के कारणों का पता पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद चलेगा। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रही है। शुक्रवार को पुलिस ने बताया कि हत्या के मामले में आरोपी का अब तक कोई सुराग नहीं मिला है। पुलिस के अनुसार, देवोस्मिता पॉल की निजी जिंदगी पिछले कुछ समय से तनावपूर्ण चल रही थी। उनकी शादी साल 2017 में हुई थी, लेकिन शादी के बाद से ही उनके वैवाहिक जीवन में अनबन रहने लगी थी। लगातार बढ़ते घरेलू विवाद के चलते साल 2022 में दंपती अलग हो गए। तब से देवोस्मिता अपने पति से अलग दिल्ली में रह रही थीं, जबकि उनके पति बेंगलुरु में रहते हैं।

ट्रम्प बोले- भारत ने दशकों तक अमेरिका का फायदा उठाया,अब हम टैरिफ से खूब कमा रहे, फिर भी डील करेंगे क्योंकि मोदी पसंद

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भारत के साथ व्यापार को लेकर कहा कि लंबे समय तक भारत ने अमेरिका पर ऊंचे टैरिफ लगाए और उसका फायदा उठाया। ट्रम्प ने दावा किया कि अब स्थिति बदल गई है और अमेरिका भारत से अच्छी कमाई कर रहा है। यानी दोनों पक्ष अभी भी व्यापार समझौते को आगे बढ़ाने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं। अमेरिका अतिरिक्त शुल्क लगाने की तैयारी में- समझौतों को लेकर बातचीत के बीच एक नई मुश्किल भी खड़ी हो गई है। अमेरिका ने कुछ देशों पर अतिरिक्त आयात शुल्क (टैरिफ) लगाने का प्रस्ताव से अटके व्यापारिक मुद्दों को सुलझाना था। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने ट्रम्प के कुछ टैरिफ को अवैध बता दिया। इसके बाद साफ नहीं हो रहा था कि कौन से टैरिफ लागू रहेंगे, कौन से नहीं। इसका असर अमेरिका-भारत के व्यापार समझौते पर पड़ा। अब तक अंतरिम व्यापार समझौता फाइनल

ट्रम्प ने आगे कहा कि अमेरिका और भारत के बीच जल्द ही एक बड़ा व्यापार समझौता भी हो सकता है क्योंति मैं मोदी को बहुत पसंद करता हूं। मोदी मेरे बहुत अच्छे दोस्त हैं। हमारे संबंध अच्छे हैं और हम एक-दूसरे को अच्छी तरह समझते हैं। ट्रम्प का यह बयान ऐसे समय में आया है जब अमेरिका की एक टीम हाल ही में नई दिल्ली में भारत सरकार के अधिकारियों के साथ कई दौर की बातचीत कर चुकी है। दोनों देश एक अस्थायी व्यापार समझौते पर सहमति बनाने की कोशिश कर रहे हैं, ताकि व्यापार से जुड़े कुछ मुद्दों का जल्द समाधान किया जा सके। भारत के वाणिज्य मंत्रालय का कहना है कि बातचीत सकारात्मक रही है और दोनों देश ऐसा समझौता करना चाहते हैं जिससे भारत और अमेरिका, दोनों को फायदा हो। रखा है। अमेरिका का कहना है कि ये देश जबरन मजदूरी से जुड़े मामलों को रोकने के लिए पर्याप्त कदम नहीं उठा रहे हैं। इस प्रस्तावित सूची में भारत का नाम भी शामिल है। अगर यह फैसला लागू होता है, तो अमेरिका में जाने वाले भारतीय सामान पर 12.5फीसदी अतिरिक्त शुल्क लग सकता है। इससे भारतीय उत्पाद अमेरिकी बाजार में महंगे हो सकते हैं और निर्यातकों पर असर पड़ सकता है। भारत सरकार का कहना है कि अभी इस अतिरिक्त शुल्क को लेकर कोई अंतिम फैसला नहीं हुआ है। अमेरिका पहले इस प्रस्ताव पर लोगों और संबंधित पक्षों की राय लेगा, उसके बाद ही अंतिम निर्णय करेगा। भारत-अमेरिका में ट्रेड डील का खाका तैयार-भारत-अमेरिका में फरवरी 2026 में एक अंतरिम व्यापार समझौता पर सहमति बनी थी। इसका मकसद लंबे समय नहीं हो पाया है। भारत-यूएस ट्रेड डील में मुश्किलें क्या हैं - भारत चाहता है कि अमेरिका भारतीय वस्त्र, जेम्स-एंड-ज्वेलरी, इंजीनियरिंग सामान, दवाइयों और कृषि उत्पादों पर लगाए गए अतिरिक्त टैरिफ कम करे। वहीं अमेरिका चाहता है कि भारत अपने बाजार को अमेरिकी कृषि उत्पादों, डेयरी सामान, शराब, मेडिकल उपकरणों और डिजिटल कंपनियों के लिए और ज्यादा खोले। सबसे बड़ा विवाद कृषि क्षेत्र को लेकर है। अमेरिका चाहता है कि उसके मक्का, सोयाबीन, बादाम, सेब और दूसरे कृषि उत्पादों को भारत में ज्यादा पहुंच मिले। लेकिन भारत को डर है कि इससे भारत के करोड़ों किसानों पर असर पड़ सकता है। डेयरी सेक्टर भी एक बड़ी बाधा है। अमेरिका भारत में मांसाहारी गायों का दूध और उससे बने प्रोडक्ट बेचना चाहता है, लेकिन भारत इसके लिए तैयार नहीं है।

रुबीना दिलैक बोलीं- मजबूरी में घर-गाड़ी बेची

ब्रेकअप के बाद सुसाइड के ख्याल आए,प्रोड्यूसर ने पेमेंट रोककर 16 लाख का जुर्माना लगाया

मुंबई। पहले शॉट में 17 रीटेक, डायरेक्टर की फटकार और शिमला लौट जाने के ताने से रुबीना दिलैक ने करियर की शुरुआत में अपमान और संघर्ष झेले। बाद में एक प्रोड्यूसर की कथित धोखाधड़ी से उन्हें लाखों का नुकसान हुआ और घर-कार रोक ली थी। इस नुकसान की भरपाई के लिए रुबीना को घर और गाड़ियां बेचनी पड़ीं। 'बॉलीवुड बबल' को दिए एक इंटरव्यू में रुबीना ने बताया था, 'यह 2011 की बात है। मैंने करीब 9 महीने तक काम किया, लेकिन मुझे मेरी पेमेंट रोक दी समय दिया था। शो के बाद दोनों ने साथ रहने का फैसला किया और उनका रिश्ता पहले से मजबूत हुआ। रुबीना बिग बॉस 14 की विजेता बनीं।रुबीना और अभिनव की मुलाकात कैसे हुई थी? रुबीना दिलैक और अभिनव शुक्ला की पहली मुलाकात 2015

बेचनी पड़ी। ब्रेकअप हुआ तो डिप्रेशन में चली गईं। सुसाइड तक के ख्याल आए। मुश्किलों का सामना करते हुए रुबीना ने खुद को संभाला। आज वह टीवी की लोकप्रिय एक्ट्रेस में शुमार हैं और बिग बॉस 14 जीतने के बाद खतरों के खिलाड़ी 15 तक पहुंची हैं। पढ़ाई के साथ वाद-विवाद प्रतियोगिताओं में सक्रिय रहीं- रुबीना दिलैक ने शुरुआती पढ़ाई शिमला पब्लिक स्कूल और सेंट बेड्स कॉलेज से की। उनके पिता लेखक हैं और हिंदी में कई किताबें लिख चुके हैं। स्कूल और कॉलेज के दिनों में रुबीना पढ़ाई वेः साथ वाद-विवाद प्रतियोगिताओं में सक्रिय रहीं। वह राष्ट्रीय स्तर की डिबेट चैंपियन रह चुकी हैं। उन्होंने अंग्रेजी साहित्य में ग्रेजुएशन किया। इसमें राजनीति विज्ञान भी उनका विषय था। एक्टिंग में आने से पहले उन्होंने कई ब्यूटी कॉन्टैस्ट में हिस्सा लिया। 2006 में उन्हें 'मिस शिमला' और 2008 में 'मिस नॉर्थ इंडिया' का खिताब मिला। आईएएस बनने का सपना था, ऑडिशन ने बदल दी जिंदगी- रुबीना दिलैक का सपना भारतीय प्रशासनिक सेवा में जाने का था और वह इसकी तैयारी कर रही थीं। इसी दौरान चंडीगढ़ में एक ऑडिशन के लिए उनका सिलेक्शन हुआ, जिसने उनकी जिंदगी की दिशा बदल दी। उन्होंने 2008 में जी टीवी के शो 'छोटी बहू' से अभिनय की शुरुआत की। जब रुबीना ने एक्टिंग में जाने का फैसला किया, तो उनके पिता ने काफी समय तक उनसे बात करना बंद कर दिया था। परिवार को एंटरटेनमेंट वर्ल्ड का माहौल सुरक्षित नहीं लगता था। 'मिस शिमला' और 'मिस नॉर्थ इंडिया' का खिताब जीतने के बाद पिता का नजरिया बदला और उन्होंने रुबीना को अपनी राह चुनने की इजाजत दी। इंडस्ट्री को बहुत अच्छी नजर से नहीं देखा जाता था- रुबीना कहती हैं- मैं कंजरवेटिव माहौल से आती हूं। उस समय इस इंडस्ट्री को बहुत अच्छी नजर से नहीं देखा जाता था। जब मैं पहली बार मुंबई आई तो मेरे अंदर बहुत डर था। पढ़ाई, करियर और नए शहर में खुद को स्थापित करना, हर चीज डराती थी। हर डर को पार करने की कोशिश ने मुझे मजबूत बनाया। डायरेक्टर से सुननी पड़ी थी गाली-'छोटी बहू' की शूटिंग के दौरान रुबीना अपमानित भी हुई थीं। वे बताती हैं कि पहले शॉट में मैंने 17 रीटेक दिए थे। यह देख डायरेक्टर नाराज हो गए और गाली देते हुए कहा था- 'ये सेब की पेटी कहां से ले आए, इसे वापस भेजो।' करियर के शुरुआती दिनों में रुबीना के लुक को लेकर भी उनकी बेइज्जती की जाती थी। लुक टेस्ट के दौरान उन्हें कहा जाता था कि नेगेटिव भूमिका करें, क्योंकि लीड रोल उन पर सूट नहीं करेगा। हालांकि, उन्होंने हार नहीं मानी। काम के प्रति गंभीरता के कारण उन्हें धीरे-धीरे सफलता मिलने लगी। इसी दौरान 2011 में वह एक प्रोड्यूसर की कथित धोखाधड़ी का शिकार भी हुई थीं। प्रोड्यूसर ने पेमेंट रोकी, 16 लाख का जुर्माना लगाया- प्रोड्यूसर ने उन पर काम में देरी और गैर-पेशेवर होने का आरोप लगाकर 16 लाख का जुर्माना लगाया था और उनकी पेमेंट भी गई। मैंने कई बार प्रोडक्शन हाउस और डायरेक्टर को फोन किया। उनके ऑफिस के चक्कर लगाए और उनसे गुजारिश की कि मेरा भुगतान कर दिया जाए। करीब नौ महीने बाद उन्हें एक रिकॉर्ड दिखाया गया, जिसमें शूटिंग में देरी और उससे हुए नुकसान का हिसाब था। रुबीना के मुताबिक, इसी आधार पर मुझ पर करीब 16 लाख की पेनाल्टी लगा दी गई। रुबीना का दावा है कि रिकॉर्ड में दर्ज कई घटनाएं गलत थीं। उन्होंने बताया कि मड आइलैंड में शूटिंग के दौरान एक कीड़े ने उन्हें काट लिया था, जिससे उन्हें कुछ घंटों तक तेज बुखार रहा। उनके अनुसार, इसी देरी का करीब 1.45 लाख रुपए का नुकसान उनके खाते में जोड़ दिया गया था और उन्हें इसकी भरपाई करनी पड़ी। घर और गाड़ी बेचनी पड़ी-इस मामले ने उनकी आर्थिक स्थिति को बुरी तरह प्रभावित किया। रुबीना ने कहा कि मैं होम लोन की ईएमआई तक नहीं भर पा रही थी। मजबूरी में मुंबई में खरीदे अपने दोनों घर बेचने पड़े। अपनी कारें भी बेच दीं, ताकि कमिटमेंट्स पूरे कर सकूं। रुबीना का कहना है कि यह दौर उनके लिए बड़ी सीख साबित हुआ। मुझे अपने फैसलों का कोई पछतावा नहीं है। इस दौरान मैं पूरी तरह टूट गई थीं और करीब दो साल तक कोई काम नहीं था। ऐसे में उन्होंने किराए के घर में रहने का फैसला किया। डिप्रेशन का शिकार हुई, आत्महत्या के ख्याल आने लगे थे- 'छोटी बहू' के सेट पर रुबीना की मुलाकात अविनाश सचदेव हुई थी। दोनों कई साल रिलेशनशिप में रहे, लेकिन बाद में उनका ब्रेकअप हो गया। ब्रेकअप के बाद रुबीना बुरी तरह टूट गई थीं। 'बॉलीवुड बबल' को दिए इंटरव्यू में उन्होंने बताया था कि मुझे डिप्रेशन हुआ था। आत्महत्या जैसे विचारों आए थे। बिग बॉस 14 के दौरान भी उन्होंने स्वीकार किया था कि करीब 9 साल पहले उनके मन में आत्महत्या के विचार आते थे। बाद में योग, मेडिटेशन और सेल्फ-हीलिंग की मदद से उन्होंने खुद को उस दौर से बाहर निकाला।'छोटी बहू' और 'छोटी बहू 2' के बाद रुबीना ने 'सास बिना ससुराल', 'पुनर्विवाह- एक नई उम्मीद', 'देवों वेः देव...महादेव' और 'जैनी और जूजू' जैसे सीरियल्स में काम किया। 'शक्ति' ने बदली किस्मत, ट्रांसजेंडर महिला का किरदार निभाया- रुबीना के करियर का बड़ा मोड़ 2016 में आया, जब उन्होंने कलर्स टीवी के शो 'शक्ति- अस्तित्व के एहसास की' में सौम्या सिंह का किरदार निभाया। ट्रांसजेंडर महिला की भूमिका में उनके अभिनय को दर्शकों और समीक्षकों ने खूब सराहा। इस भूमिका के लिए उन्हें कई अवॉर्ड मिले। यह शो 2020 तक चला और 2021 में उन्होंने इसमें वापसी भी की। बिग बॉस 14 जीतकर और मशहूर हुईं- अक्टूबर 2020 में रुबीना ने पति अभिनव शुक्ला के साथ 'बिग बॉस 14' में हिस्सा लिया। शो के दौरान उन्होंने निजी जिंदगी और वैवाहिक संघर्षों पर खुलकर बात की। रुबीना ने बताया था कि शो में आने से पहले उनकी शादी मुश्किल दौर से गुजर रही थी और दोनों ने रिश्ते को बचाने के लिए खुद को छह महीने का में एक कॉमन दोस्त के घर गणपति पूजा के दौरान हुई थी। अभिनव ने उन्हें पहली बार पारंपरिक साड़ी में देखा और पहली नजर में ही पसंद कर लिया था। उन्होंने एक इंटरव्यू में बताया था कि पहली मुलाकात में ही रुबीना उन्हें पसंद आ गई थीं। बाद में दोनों की बातचीत बढ़ी और दोस्ती प्यार में बदल गई। रुबीना ने बिग बॉस 14 में बताया था कि रिश्ते की शुरुआत में वह अभिनव को लेकर काफी सीरियस थीं, जबकि अभिनव अक्सर मैसेज का देर से जवाब देते थे। धीरे-धीरे दोनों करीब आए और कई साल डेटिंग के बाद 21 जून 2018 को शिमला में शादी कर ली। शादी के बाद तलाक की नौबत क्यों आई? शादी के करीब दो साल बाद दोनों के रिश्ते में तनाव बढ़ने लगा। बिग बॉस 14 के दौरान रुबीना ने खुलासा किया था कि वह और अभिनव तलाक लेने के बारे में सोच रहे थे। दोनों ने एक-दूसरे को नवंबर 2020 तक का समय दिया था। हालात नहीं सुधरते तो वे अलग हो जाते। हालांकि दोनों ने कभी विस्तार से नहीं बताया कि समस्या क्या थी। इंटरव्यूज में उन्होंने स्वीकार किया कि लगातार मतभेद, कम्युनिकेशन गैप और रिश्ते को लेकर अलग-अलग सोच की वजह से दूरी बढ़ गई थी। बिग बॉस 14 ने कैसे बचाई शादी?रुबीना और अभिनव ने शादी को एक आखिरी मौका देने के लिए बिग बॉस 14 में साथ एंट्री ली थी। शो के दौरान दोनों ने काफी समय साथ बिताया, एक-दूसरे के नजरिए को समझा और रिश्ते पर खुलकर बात की। शो खत्म होने के बाद अभिनव ने साफ कहा था, 'अब कोई तलाक नहीं हो रहा है। शो ने रिश्ते को नए नजरिए से देखने में मदद की।' बिग बॉस 14 के बाद दोनों का रिश्ता पहले से मजबूत हुआ। लॉकडाउन और साथ बिताए समय ने उन्हें करीब लाने में मदद की। बाद में दोनों ने कई रियलिटी शोज में साथ हिस्सा लिया और पर्सनल लाइफ पर खुलकर बात की। नवंबर 2023 में रुबीना और अभिनव जुड़वां बेटियों के माता-पिता बने। उनकी बेटियों के नाम एधा और जीवा हैं। दोनों अक्सर सोशल मीडिया पर फैमिली मोमेंट्स शेयर करते हैं और अपने रिश्ते को सेकेंड चांस की सफलता मानते हैं। फिल्मों और रियलिटी शोज में भी दिखाया दम-2022 में रुबीना ने 'खतरों के खिलाड़ी 12' में हिस्सा लिया था। फिनाले से पहले एक अहम टास्क में उन्हें चोट लग गई थी, जिसके कारण वह अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर सकीं और फाइनल की रेस से बाहर हो गईं। इसी साल उन्होंने राजपाल यादव और हितेन तेजवानी के साथ फिल्म 'अर्ध' से बॉलीवुड में कदम रखा। यह फिल्म पलाश मुछाल के निर्देशन में बनी थी और जी5 पर रिलीज हुई थी। फिल्म में उनकी एक्टिंग को सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली। इसके बाद रुबीना 'झलक दिखला जा 10' में नजर आईं, जहां वे फर्स्ट रनर-अप रहीं। 2025 में उन्होंने पति अभिनव शुक्ला के साथ रियलिटी शो 'पति पत्नी और पंगा- जोड़ियों का रियलिटी चेक' में हिस्सा लिया और दोनों इसके विजेता बने। अब रुबीना 'खतरों के खिलाड़ी 15' में नजर आएंगी।

बॉयफ्रेंड मेरी ही सहेली को कर रहा डेट, दोनों मिलकर मुझसे खेल रहें, खुद को कैसे समझाऊ

नोएडा। सवाल- मेरी उम्र 20 साल है। मैं 6 महीने से कॉलेज में एक लड़केः वेः साथ रिलेशनशिप में थी। मैंने उसे अपनी एक फ्रेंड से मिलवाया। हम तीनों साथ में कभी-कभी हैंगहाउट करते थे। एग्जाम्स के बाद समर वेकेशन में मैं 2 महीने के लिए पर घर चली गई। जब मैं वापस आई, तो वे दोनों मुझसे ठीक से बात नहीं कर रहे थे। अब पता चला है कि वे दोनों एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। मुझे बहुत बुरा लग रहा है और मैं खुद को चीटेड फील कर रही हूं। मैं समझ नहीं पा रही हूं कि इस सिचुएशन को कैसे संभालूं और अपने इमोशन्स से कैसे डील करूं? विषय को समझेंगे सवाल जवाब के माध्यम से एक्सपर्टः डॉ. जया सुकुल, क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट, नोएडा जी के साथ- जवाब- सवाल पूछने के लिए आपका शक्रिया। 20 साल की उम्र जीवन का वह पड़ाव है, जब भावनाएं काफी तेज होती हैं। आपने बताया है कि बॉयफ्रेंड और दोस्त ने मिलकर आपका दिल तोड़ा है। साइकोलॉजी में इसे 'डबल बिट्रेयल' (दोहरा विश्वासघात) कहते हैं। अभी आपको ये ट्रेजेडी जैसा महसूस हो रहा है, लेकिन विश्वास करिए 10 साल बाद यह घटना एकदम सामान्य लगेगी। चलिए आपकी पूरी सिचुएशन समझते हैं और उसके सॉल्यूशन पर बात करते हैं। 20-25 साल की उम्र एक्सप्लोर करने और अनुभव बटोरने की होती है। इस उम्र में हम रिश्ते, करियर और खुद को समझना शुरू करते हैं। इस दौर में बने रिश्ते अक्सर भावनाओं पर आधारित होते हैं। इसलिए ये बहुत स्थायी नहीं होते हैं। इस घटना को 'ट्रेजेडी' की तरह देखने की बजाय 'लाइफ लेसन' की तरह देखना बेहतर होगा, क्योंकि यही अनुभव आपको आगे बेहतर निर्णय लेने में मदद करेगा। अभी पूरी उम्र और बेहतर संभावनाओं का आसमान आपके सामने खुला है। अपनी भावनाओं को दबाएं नहीं-धोखा मिलने पर दुखी होना, गुस्सा आना या रोना बिल्कुल सामान्य है। खुद को यह कहने की जरूरत नहीं है कि, 'मुझे इतना परेशान नहीं होना चाहिए।' बल्कि खुद से कहें- 'मुझे दुख हो रहा है और यह बिल्कुल सही है।'रोना आए तो रो लें। किसी भरोसेमंद दोस्त से बात करें। अपनी भावनाओं को डायरी में लिखें। यही हीलिंग का पहला कदम है। यह एक नई शुरुआत है-अभी आपको लग सकता है कि सब खत्म हो गया, लेकिन सच्चाई इससे अलग है। ब्रेकअप अंत नहीं, प्यार में धोखा मिलने पर लोग अक्सर खुद में कमियां ढूंढने लगते हैं। वह कारण खोजते हैं कि उन्हें धोखा क्यों मिला है। जबकि असल में कमी सामने वाले की नीयत में होती है। इस तरह के इंसिडेंट्स को अनुभव की तरह लेना चाहिए। आगे आसमां और भी है-यह सोचिए कि जो इंसान मात्र 2 महीने आपकी एब्सेंस में आपकी सहेली के साथ रिश्ते में आ गया, क्या वह कभी आपके प्रति सीरियस था? शायद नहीं। इसलिए जो आपका था ही नहीं, उसे खोने का अफसोस ही क्यों करना है। 20 की उम्र जीवन का केवल एक छोटा सा हिस्सा भर है, पूरी फिल्म अभी बाकी है। अपनी नजरें समेटने की बजाय सामने देखिए, अभी पूरा आसमान बाकी है। आपको भविष्य में ऐसे कई सच्चे लोग, वफादार दोस्त और बेहतर रिश्ते मिलेंगे, जो आपकी कद्र करना जानते होंगे। इस एक कड़वे अनुभव को अपनी पूरी जिंदगी न समझें, बल्कि इसे एक नई और बेहतर शुरुआत का मौका मानें। क्या करें? भावुकता से निकलकर अब आपको एक्शन-ओरिएंटेड होना पड़ेगा। जब आप व्यस्त रहेंगी तो इस दुख से उबरने में मदद मिलेगी। करियर और स्किल्स पर ध्यान दें- अपनी पढ़ाई, इंटर्नशिप या किसी नई भाषा/हुनर को सीखने में अपनी पूरी ऊर्जा लगा दें। आपकी सफलता ही आपका सबसे बड़ा बदला होगा। सोशल मीडिया डिटॉक्स- उसे ब्लॉक या अनफॉलो करना कमजोरी नहीं, बल्कि एक तरह से 'मानसिक सुरक्षा' है। इसलिए उसकी लाइफ अपडेट्स देखना बंद करें। नए लोगों से मिलें- अपनी दुनिया को उस एक कॉलेज ग्रुप तक सीमित न रखें। नए क्लब जॉइन करें, वर्कशॉप में जाएं। हॉबीज को समय दें- डांस, पेंटिंग, राइटिंग या स्पोर्ट्स, जो भी आपको खुशी देता है, उसमें भाग लें। इससे आपका 'डोपामाइन' लेवल बढ़ेगा और कॉन्फिडेंस वापस आएगा। हीलिंग पर ध्यान दें-इस दुख से उबरने की यात्रा में आप किसी दिन आप बहुत अच्छा महसूस करेंगी और किसी दिन बहुत तकलीफ भी होगी। यह सामान्य है। बस उस पुराने घाव को बार-बार 'चेक' करके कुरेदना बंद करें। डबल बिट्रेयल से निपटने के 5 गोल्डन रूल-1. खामोशी में ही ताकत है-उसे फोन या मैसेज करके यह न बताएं कि आप कितनी दुखी हैं। भावनाओं को उसके सामने जाहिर करने की बजाय डायरी में लिखें या किसी भरोसेमंद से बांटें। 2. जवाब की उम्मीद छोड़ दें-उससे यह पूछकर वक्त बर्बाद न करें कि ऐसा क्यों किया? सफाई की उम्मीद आपको उसी दुख में अटकाए रखेगी। इसलिए सच को स्वीकार कर आगे बढ़ें। 3. खुद पर विश्वास बनाए रखें- दो गलत लोगों की वजह से खुद को कम न आंकें। याद रखें, आप आज भी उतनी ही अच्छी इंसान हैं। सिर्फ इसलिए कि किसी ने भरोसा तोड़ा, पूरी दुनिया को बुरा न समझें। अच्छे लोग और सच्चे दोस्त अभी भी आपकी लाइफ में आएंगे। 4. कॉलेज में गरिमा रखें-जब भी वे सामने आएं, न गुस्सा करें और न ही रोएं। बस ऐसे रहें जैसे वे कोई अजनबी हों। आपका आत्मविश्वास और आपकी मुस्कान यह साबित करेगी कि आपकी खुशी किसी इंसान की मोहताज नहीं है। 5. खुद को दोष न दें-'मैंने गलत इंसान पर भरोसा क्यों किया' जैसे विचार छोड़ दें। भरोसा करना आपकी अच्छाई थी, कमजोरी नहीं। खुद को माफ करें और खुद से प्यार करें। आप एक नई और खूबसूरत शुरुआत की हकदार हैं। अंतिम सलाह-20 साल की उम्र में दिल टूटने पर ऐसा लगता है जैसे दुनिया रुक गई हो, लेकिन सच ये है कि आपकी कहानी अभी शुरू हुई है। आपको आगे बेहतर लोग, बेहतर रिश्ते और ढेर सारी खुशियां मिलेंगी।

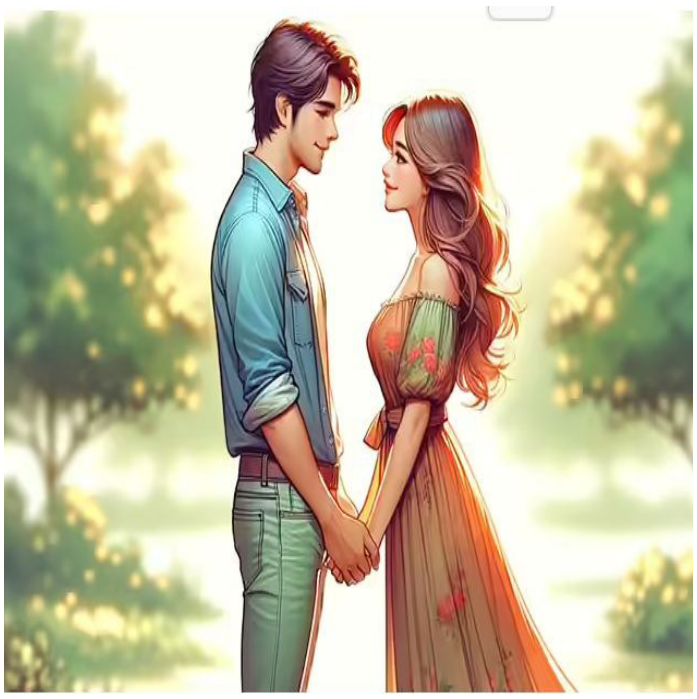

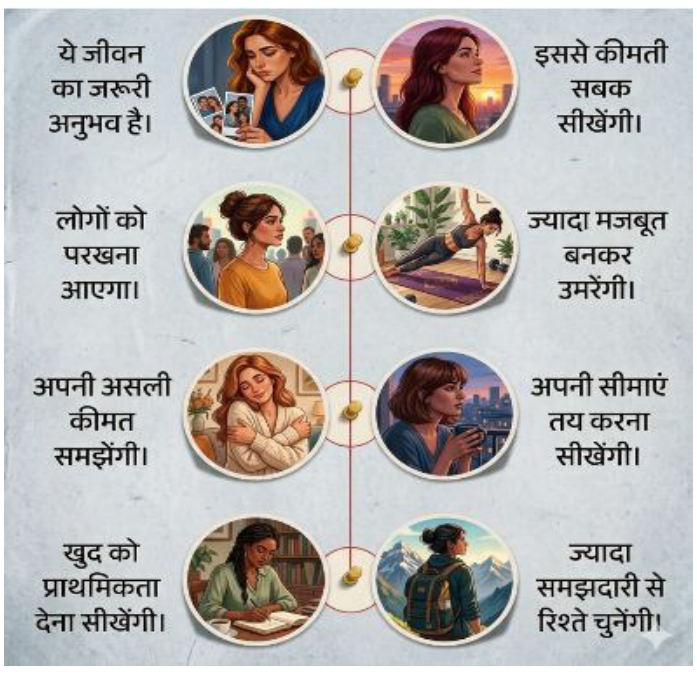

13 साल की बेटी हकलाती है,बच्चे मजाक उड़ाते हैं, क्लास में कुछ बोलती नहीं, हमेशा चुप रहती है,कैसे हेल्प करूं

जयपुर। विषय को समझेंगे एक्सपर्टः डॉ. अमिता श्रृंगी, साइकोलॉजिस्ट, फैमिली एंड चाइल्ड काउंसलर, जयपुर जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- मैं इंदौर से हूं। मेरी 13 साल की बेटी हकलाती है। हमने इसे सुधारने की बहुत कोशिश की। डॉक्टरों को दिखाया, स्पीच थेरेपिस्ट के पास गए, लेकिन कोई खास सुधार नहीं हुआ। वो जैसे-जैसे बड़ी हो रही है, अपने बोलने को लेकर बहुत कॉन्शस होती जा रही है। बचपन से ही बच्चे स्कूल में उसका मजाक उड़ाते रहे हैं। इसलिए वह क्लास में भी कुछ नहीं बोलती। अब तो सबसे अलग-थलग और चुपचाप रहने लगी है। हमें समझ नहीं आता कि हम क्या करें। उसे कैसे समझाएं, कैसे सपोर्ट करें। जवाब- सवाल पूछने के लिए शुक्रिया। सबसे पहले तो मैं यह बताना चाहूंगी कि आप अकेली नहीं हैं। आपकी तरह बहुत से माता-पिता इस स्थिति से गुजरते हैं। हकलाना कोई 'कमजोरी' नहीं है, बल्कि यह एक स्पीच फ्लुएंसी डिसऑर्डर है, जो अक्सर भावनात्मक दबाव, आत्मविश्वास की कमी या न्यूरोलॉजिकल कारणों से जुड़ा होता है। 'द स्टटरिंग फाउंडेशन' के मुताबिक, दुनियाभर में लगभग 1फीसदी यानी 8 करोड़ से ज्यादा लोग हकलाते हैं। महिलाओं की तुलना में पुरुषों में यह समस्या लगभग चार गुना ज्यादा होती है। करीब 5फीसदी बच्चे उम्र के किसी-न-किसी दौर में हकलाहट का सामना करते हैं। इनमें से लगभग 75फीसदी बच्चे बड़े होते-होते ठीक हो जाते हैं, जबकि करीब 1फीसदी में यह समस्या लंबे समय तक बनी रहती है। आपकी बेटी अभी टीनएजर है। ये उम्र वैसे भी थोड़ी वलनरेबल होती है। ऐसे में उसका कॉन्शस होना और क्लास में बोलने से बचना बिल्कुल स्वाभाविक प्रतिक्रिया है। लेकिन अच्छी बात यह है कि सही सपोर्ट और समझदारी से आप इसमें सकारात्मक बदलाव ला सकती हैं। बच्चा रुक-रुककर क्यों बोलता है? बच्चे का रुक-रुककर बोलना सिर्फ एक साधारण बोलने का तरीका भर नहीं है। इसके पीछे कई कारण होते हैं। हर बच्चे में इसकी वजह अलग हो सकती है। कुछ बच्चों में यह डर या झिझक से जुड़ा होता है, तो कुछ में सोचने और बोलने की गति में तालमेल न होने से होता है। कई बार घर का माहौल, पेरेंट्स का व्यवहार और बच्चे के अपने अनुभव भी इस पर असर डालते हैं। इसलिए इस समस्या को समझने के लिए इसके असली कारण तक पहुंचना और उसे समझना जरूरी है। बच्चे पर इसका क्या असर पड़ता है? जिन बच्चों को बोलने में समस्या होती है, वे सोचते हैं- 'मैं ठीक से बोल नहीं पाता/पाती।''लोग मुझे जज करेंगे।' 'सब मेरा मजाक उड़ाएंगे।' 'मेरा चुप रहना ही बेहतर है।' यही सोच धीरे-धीरे बच्चे पर हावी हो जाती है। लंबे समय में उसके मनोविज्ञान पर इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। जो बच्चे हकलाकर बोलते हैं, उन्हें सबसे ज्यादा जरूरत इस बात की होती है कि उन्हें समझा जाए, उन्हें जज न किया जाए और उन्हें सपोर्ट किया जाए। ऐसे में पेरेंट्स का पहला कदम बच्चे को तुरंत सुधारने की कोशिश करना नहीं, बल्कि उसे सुरक्षित और सहज महसूस कराना होना चाहिए। जब बच्चा बिना डर और झिझक के अपनी बात कह पाएगा, तभी उसकी बोलने की फ्लुएंसी धीरे-धीरे अपने आप बेहतर होने लगेगी। इसलिए जरूरी है कि पेरेंट्स धैर्य रखें और सही तरीके से उसका साथ दें। नीचे ग्राफिक में ऐसे ही आसान और एक्शन लेने योग्य टिप्स दिए गए हैं। आइए अब इन पॉइंट्स को विस्तार से समझते हैं- 1. बच्चे की बात ध्यान से सुनें, बच्चे की बात पूरी होने दें। बीच में उसकी बात खुद पूरी न करें। क्यों जरूरी?जब बच्चे को बिना जज किए सुना जाता है, तो उसका आत्मविश्वास बढ़ता है। फायदा-बच्चा खुलकर बोलता है। झिझक कम होती है। 2. इमोशनल सेफ्टी देंबच्चे से रोज 10-15 मिनट बिना किसी जजमेंट के बात करें। जब वह बोले तो बीच में टोकने या सुधारने से बचें। उसकी बात पर रिएक्ट करने की बजाय पहले उसे ध्यान से सुनें। 'मैं तुम्हारे साथ हूं,' जैसे भरोसा देने वाले शब्द कहें। उसके डर या शर्म को हल्के में न लें। घर में ऐसा माहौल बनाएं, जहां वह खुलकर बोल सके। क्यों जरूरी? जब बच्चा खुद को सुरक्षित महसूस करता है, तब उसकी झिझक दूर होती है। हकलाने की वजह अक्सर डर और एंग्जाइटी होती है। इमोशनल सेफ्टी

मिलने पर धीरे-धीरे सबकुछ सामान्य हो जाता है। फायदा-बच्चा खुलकर अपनी बात रखने लगता है। आत्मविश्वास बढ़ता है। बोलने का डर कम होता है। पेरेंट्स और बच्चे के बीच बॉन्ड मजबूत होता है। हकलाहट धीरे-धीरे कम हो जाती है। 3. कोशिश की तारीफ करें-रिजल्ट की नहीं, कोशिश की तारीफ करें। छोटे-छोटे सुधार को नोटिस करें। पॉजिटिव शब्दों का इस्तेमाल करें। क्यों जरूरी? तारीफ बच्चे को आगे बढ़ने के लिए मोटिवेट करती है।फायदा- आत्मविश्वास बढ़ता है। बच्चा प्रयास करना जारी रखता है। 4. बुलीइंग को इग्नोर न करें स्कूल में बुलीइंग होने पर टीचर से बात करें। बच्चे को जवाब देने के तरीके सिखाएं। क्यों जरूरी? बुलीइंग बच्चे के आत्मसम्मान को गहराई से प्रभावित करती है। फायदा-बच्चा खुद को सुरक्षित महसूस करता है।डर और शर्म कम होती है। 5. बच्चे की ताकत पहचानें-उसकी रुचियों और टैलेंट पर ध्यान दें। उसे उन एक्टिविटीज में प्रोत्साहित करें, जो उसे पसंद हो।उसकी उपलब्धियों को नोटिस करें। क्यों जरूरी? जब बच्चा अपनी स्ट्रेंथ पहचानता है, तो वह अपनी कमजोरी से ऊपर उठ पाता है। फायदा-आत्मसम्मान बढ़ता है। पॉजिटिव सोच विकसित होती है। 6. बच्चे को जज न करें- 'तुम सही से क्यों नहीं बोलते?' जैसे सवाल न पूछें। दूसरे बच्चों से तुलना न करें। उसके बोलने की स्पीड को एक्सेप्ट करें। क्यों जरूरी? जजमेंट बच्चे में शर्म और डर पैदा करता है। फायदा-बच्चा सहज महसूस करता है। खुद को स्वीकार करना सीखता है। 7. पॉजिटिव स्टोरीज सुनाएं-ऐसे लोगों की कहानियां सुनाएं, जिन्होंने हकलाहट के बावजूद सफलता पाई। मोटिवेशनल उदाहरण दें। स्टोरी के जरिए आत्मविश्वास बढ़ाएं। क्यों जरूरी? रोल मॉडल बच्चे को उम्मीद और प्रेरणा देते हैं। फायदा-बच्चा खुद को सीमित नहीं समझता है। उसे आगे बढ़ने का हौसला मिलता है। 8. धैर्य बनाए रखें-बच्चे को समय दें। बहुत जल्दी सुधार की उम्मीद न रखें। शांत और सपोर्टिव रहें। क्यों जरूरी? हकलाहट में सुधार एक धीमी प्रक्रिया है। इसलिए धैर्य बनाए रखना जरूरी है। फायदा-बच्चा दबाव महसूस नहीं करता है। धीरे-धीरे सुधार होने लगता है। 9. प्रोफेशनल हेल्प लें-स्पीच थेरेपिस्ट से सलाह लें। जरूरत हो तो काउंसलिंग कराएं। नियमित फॉलो-अप रखें। क्यों जरूरी? कभी-कभी सही दिशा के लिए एक्सपर्ट गाइडेंस जरूरी होती है। फायदा-सही तकनीक से सुधार तेज होता है। बच्चे को प्रोफेशनल सपोर्ट मिलता है। 10. कम्युनिकेशन पर फोकस करें-धीरे और स्पष्ट बोलने का उदाहरण दें। बच्चे को बोलने के लिए पूरा समय दें। बातचीत का माहौल हल्का रखें। क्यों जरूरी? अच्छा कम्युनिकेशन बच्चे को बिना दबाव के खुद को एक्सप्रेस करना सिखाता है।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स
53/25/1 ए बेली रोड
न्यू कटरा प्रयागराज
(उ.प्र) 211002 से
मुद्रित एवं सी-41यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
संपादक/प्रकाशक
डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।